RNI No. 58061/93 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 263 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » गुरुवार » 23-04-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस और सपा का इतिहास ही नारी-विरोध का : योगी आदित्यनाथ

6 किताबों की बेशकीमती ताकत को पहचानें

7 मुनमुन दत्ता ने बताया समर मॉर्निंग रूटीन का राज

भारत की उदारता को कमजोरी नहीं समझना चाहिए : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने बुधवार को कहा कि भारत आतंकवाद से एकजुट होकर लड़ना जारी रखेगा, लेकिन देश की ''उदारता'' को ''कमजोरी'' नहीं समझा जाना चाहिए। उन्होंने ये बातें कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि नारी शक्ति का उदय शिक्षा, अनुसंधान, शासन, उद्यमिता, नवाचार, अंतरिक्ष अनुसंधान और सशस्त्र बलों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में समानता, सशक्तिकरण और नेतृत्व की दिशा में एक परिवर्तनकारी यात्रा को दर्शाता है। सशस्त्र बलों की महिला अधिकारियों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर पर की गयी प्रेस वार्ता का जिक्र करते हुए उन्होंने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए 2025 के आतंकी हमले को याद किया, जिसमें 26 पर्यटकों की जान गई थी।

उन्होंने कहा, ''ये (आतंकवादी) कितने क्रूर थे? पत्नी के सामने ही वे पति की हत्या कर रहे थे। लेकिन हमें आतंकवाद से लड़ना होगा। हमें अपने दुश्मनों से लड़ना होगा। हम हमेशा साथ रहना चाहते हैं और सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं। लेकिन इसे कमजोरी नहीं समझना चाहिए, यह हमारी उदारता है।''

उपराष्ट्रपति ने शैक्षणिक उत्कृष्टता में महिलाओं की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देशभर के दीक्षांत समारोहों में पदक विजेताओं में महिलाओं की संख्या लगातार अधिक रहती है। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि इस वर्ष विश्वविद्यालय में स्वर्ण पदक हासिल करने वालों में 80 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। उन्होंने स्नातक छात्रों से समाज और राष्ट्र निर्माण में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत की परिकल्पना सभी नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही प्राप्त की जा सकती है।

'चारधाम' भारत की अटूट आस्था, एकता और सांस्कृतिक परंपराओं का दिव्य उत्सव : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को केदारनाथ मंदिर और 'चारधाम' की तीर्थयात्रा को भारत की अटूट आस्था, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का दिव्य उत्सव बताया।

उत्तराखंड स्थित केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने के अवसर पर मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसी तीर्थयात्राएं देश की शाश्वत विरासत और आध्यात्मिक चेतना की झलक प्रस्तुत करती हैं। केदारनाथ मंदिर के कपाट खुलने को 'चारधाम यात्रा' की आधिकारिक शुरुआत का प्रतीक माना जाता है।

मोदी ने इस अवसर के आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, ''केदारनाथ मंदिर और चारधाम तीर्थयात्रा भारत की अटूट आस्था, एकता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है।'' प्रधानमंत्री ने चारधाम यात्रा के लिए उत्तराखंड पहुंच रहे सभी श्रद्धालुओं के नाम एक पत्र भी लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी ओर से शुभकामनाएं व्यक्त करने के साथ ही तीर्थयात्रियों की कुशलक्षेम के लिए प्रार्थना की।

चारधाम यात्रा हिंदुओं के सबसे पवित्र स्थलों – बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री की यात्रा है।

श्रद्धालुओं को लिखे अपने पत्र में प्रधानमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पवित्र भूमि पर पवित्र चारधाम यात्रा का शुभारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट खुल गए तथा केदारनाथ की यात्रा बुधवार से शुरू होगी, और 23 अप्रैल को बद्रीनाथ के कपाट भी श्रद्धालुओं के लिए खुल जाएंगे।

मोदी ने कहा, ''बाबा केदारनाथ के दर्शन सहित चारों धामों की यह पवित्र तीर्थयात्रा भारत की शाश्वत सांस्कृतिक चेतना का भव्य उत्सव है। जगद्गुरु आदि शंकराचार्य ने बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्राओं के माध्यम से भारतीय संस्कृति को एक नई दिशा दी। जगद्गुरु रामानुजाचार्य और जगद्गुरु माधवाचार्य ने भी अपने आध्यात्मिक दर्शन को समृद्ध करने के लिए बद्रीनाथ की यात्रा की।''

मोदी ने कहा कि आज भी हिमालय की गोद में स्थित ये चारों तीर्थस्थल लोगों की शाश्वत आस्था और विश्वास के दिव्य केंद्र हैं। उन्होंने कहा कि हर साल विभिन्न भाषाओं, परंपराओं और संस्कृतियों के लोग वहां पहुंचते हैं, जिससे 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और मजबूत होती है, तथा इस वर्ष की यात्रा इसी परंपरा का विस्तार है।

फर्स्ट टेक

सोना तस्करी मामला: जेल से रिहा हो सकती है अभिनेत्री रान्या राव

बेंगलूरु/भाषा। सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तारी के एक साल बाद कन्नड़ फिल्म अभिनेत्री रान्या राव बेंगलूरु केंद्रीय जेल से रिहा हो सकती है। यह जानकारी डीआरआई सूत्रों ने बुधवार को दी। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने डीजीपी रैंक (निलंबित) पुलिस अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हर्षवर्द्धिनी रान्या उर्फ रान्या राव को 2 मार्च, 2025 को बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर रोका था, क्योंकि उसने जनवरी 2025 से दुबई की कथित तौर पर 27 यात्राएं की थीं। अधिकारियों ने उससे सीधे तौर पर 14.213 किलोग्राम तस्करी की गई सोने की छड़ें जब्त कीं और बाद में उसके आवास से दो करोड़ रुपये से अधिक की नकदी और आभूषण बरामद किए। उस पर 102 करोड़ रुपये के सोने की तस्करी का आरोप था।

चीन ने अपने अंतरिक्ष स्टेशन प्रशिक्षण के लिए दो पाकिस्तानी नागरिकों को चुना

बीजिंग/भाषा। चीन के अंतरिक्ष मिशन प्रशिक्षण के लिए पहले विदेशी अंतरिक्ष यात्रियों के रूप में दो पाकिस्तानी नागरिकों का चयन किया गया है। चीन की मानव अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि दो पाकिस्तानी नागरिक–मोहम्मद जीशान अली और खुर्रम दाऊद प्रशिक्षण के लिए 'रिजर्व' अंतरिक्ष यात्रियों के रूप में जल्द ही चीन आएंगे। बयान में कहा गया कि सभी प्रशिक्षण और मूल्यांकन पूरा करने के बाद, उनमें से एक पेलोड विशेषज्ञ के रूप में एक अंतरिक्ष मिशन में भाग लेगा, और तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाला पहला विदेशी अंतरिक्ष यात्री बन जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने खरगे को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ''आतंकवादी'' कहे जाने का बुधवार को गंभीरता से संज्ञान लिया और उन्हें नोटिस जारी किया। आयोग के अधिकारियों ने यह यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि खरगे से 24 घंटे के भीतर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा गया है। यह नोटिस तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में मतदान से एक दिन पहले जारी किया गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने चेन्नई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अन्नाद्रमुक के भाजपा के साथ गठबंधन की आलोचना करते हुए प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा था।

उच्च न्यायालय ने 2006 के मालेगांव विस्फोट मामले में चार आरोपियों को आरोपमुक्त किया

इस फैसले के साथ यह सवाल अनुत्तरित रह गया कि उन विस्फोटों के लिए कौन जिम्मेदार था, जिनमें 31 लोगों की मौत हुई थी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने 2006 के मालेगांव सिलसिलेवार बम विस्फोट मामले में चार लोगों के खिलाफ आतंकवाद सहित सभी आरोपों को खारिज करते हुए उन्हें आरोपमुक्त करार दिया।

इस फैसले के साथ यह सवाल अनुत्तरित रह गया कि उन विस्फोटों के लिए कौन जिम्मेदार था, जिनमें 31 लोगों की मौत हुई थी।

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की खंडपीठ ने चारों आरोपियों राजेंद्र चौधरी, धन सिंह, मनोहर राम सिंह नरवरिया और लोकेश शर्मा द्वारा विशेष एनआईए अदालत के आदेश के खिलाफ दायर अपीलों को मंजूर कर लिया। विशेष अदालत ने उनके खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया था।

इन चारों पर भारतीय दंड संहिता की, हत्या और आपराधिक साजिश से संबंधित विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। साथ ही उन पर कड़े गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत भी मामला दर्ज किया गया था।

आठ सितंबर 2006 को नासिक जिले के मालेगांव कस्बे में चार बम विस्फोट हुए थे। इनमें से तीन धमाके शुक्रवार की नमाज के बाद हमीदिया मस्जिद और बड़ा कब्रिस्तान परिसर में हुए थे, जबकि चौथा धमाका मुशावरत चौक में हुआ था। इस घटना में 31 लोगों की मौत हो गई थी और 312 लोग घायल हुए थे। विस्फोटों की जांच में कई मोड़ और उतार-चढ़ाव देखने को मिले। शुरुआती जांच एजेंसियों ने दावा किया था कि इसकी साजिश मुस्लिम आरोपियों द्वारा रची गई थी, लेकिन बाद में मामले की जांच करने वाले राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कहा कि इन विस्फोटों के पीछे दक्षिणपंथी चरमपंथी थे।

मामले की शुरुआती जांच महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने की थी, जिसने इस मामले में नौ मुस्लिम युवकों को गिरफ्तार किया था।

एटीएस ने दिसंबर 2006 में दाखिल अपने आरोपपत्र में दावा किया कि विस्फोटों को अंजाम देने की साजिश मई 2006 में एक आरोपी की शादी के दौरान हुई बैठक में रची गई थी।

यह मामला बाद में फरवरी 2007 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया गया। सीबीआई ने अपने पूरक आरोपपत्र में एटीएस की जांच से सहमति जताई और नौ मुस्लिम पुरुषों को आरोपी के रूप में नामजद किया। हालांकि, अप्रैल 2011 में एनआईए ने यह मामला अपने हाथ में लिया और दावा किया कि इन विस्फोटों के पीछे दक्षिणपंथी चरमपंथियों का हाथ था तथा उसने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

केंद्रीय एजेंसी ने अजमेर शरीफ (राजस्थान) और मक्का मस्जिद (हैदराबाद) विस्फोट मामलों में आरोपी स्वामी असीमानंद के एक बयान को आधार बनाया।

ऑनलाइन गेमिंग के नियम अधिसूचित, एक मई से होंगे प्रभावी

नई दिल्ली/भाषा। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने बुधवार को बहुप्रतीक्षित ऑनलाइन गेमिंग नियमों को अधिसूचित कर दिया। ये नियम ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन और विनियमन अधिनियम को संचालित करने के लिए प्रक्रियात्मक ढांचा मुहैया कराते हैं और इनके आधार पर ऑनलाइन गेमिंग प्राधिकरण का गठन भी हो सकेगा। आईटी सचिव एस कृष्णन ने कहा कि ज्यादातर ऑनलाइन गेम – अगर वे 'रियल मनी गेम' नहीं हैं (पैसे का लेनदेन शामिल नहीं है), को अनिवार्य रूप से पंजीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। निगरानी केवल कुछ विशेष परिस्थितियों में ही शुरू की जाएगी। हालांकि, 'ईस्पोर्ट्स' के लिए अनिवार्य पंजीकरण की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा, ''हम चाहते थे कि जहां तक संभव हो, इस पूरी प्रक्रिया को कम से कम नियामक हस्तक्षेप वाला रखा जाए। अधिकांश खेल, जो पैसों वाले खेल नहीं हैं, वे बिना किसी अनिवार्य पंजीकरण के संचालित हो सकेंगे। इसलिए पूरी प्रक्रिया वैकल्पिक है।'' मंत्री ने कहा, ''हम किसी को भी यह निर्धारित करने के लिए आवेदन करने के लिए बाध्य नहीं कर रहे हैं कि वह ऑनलाइन मनी गेम है या ऑनलाइन सोशल गेम है या ईस्पोर्ट्स है।''

पहलगाम आतंकवादी हमले की पहली बरसी पर भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपने दृढ़ संकल्प को दोहराते हुए कहा

भारत किसी भी हरकत का जवाब निश्चित तौर पर देगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले की पहली बरसी पर भारतीय सेना ने बुधवार को आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपने दृढ़ संकल्प को दोहराते हुए कहा कि भारत के खिलाफ किसी भी कृत्य का जवाब निश्चित तौर पर दिया जाएगा।

पिछले साल 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में 26 लोगों की हत्या कर दी थी जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। इस जघन्य कृत्य ने पूरे देश को झकझोर दिया था और दुनिया भर की सरकारों तथा नेताओं ने इसकी निंदा की थी।

सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारत के खिलाफ कृत्यों का जवाब निश्चित तौर पर दिया जाएगा। न्याय जरूर किया जाएगा! हमेशा! सिंदूरवर्षगांठ न्याय कायम रहे, राष्ट्र सर्वोपरि।''

इस पोस्ट के साथ साझा किए गए एक डिजिटल पोस्टर में वर्दी पहने तीन सशस्त्र सैनिक एक बड़े लाल घेरे की पृष्ठभूमि में एक-दूसरे के बगल में खड़े हैं और कैप्शन में लिखा है, ''ऑपरेशन सिंदूर जारी है...''। पोस्टर में 'ऑपरेशन महादेव' का भी उल्लेख है जो हमले के तुरंत बाद संबंधित आतंकवादियों का पता लगाने और उन्हें मार गिराने के लिए शुरू किया गया था।

पहलगाम हमले की पहली बरसी की पूर्व संध्या पर, भारतीय सेना ने मंगलवार को कहा था, ''जब मानवता की सीमाएं लांघ दी जाती हैं, तो जवाब निर्णायक होता है''। निर्णायक सैन्य अभियान शुरू करने के बाद, भारतीय सेना ने छह-सात मई, 2025 की रात, 1:51 बजे 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा था, ''पहलगाम आतंकवादी हमला न्याय मिला! जय हिंद!''

सूर्यास्त 23-04-2026 6:33 बजे	सूर्योदय 24-04-2026 6:02 बजे
BSE 78,516.49 (-756.84)	NSE 24,378.10 (-198.50)
सोना 15,934 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 258,039 रु. प्रति किलो

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है इजराइल : गिदोन सार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/भाषा। इजराइल ने बुधवार को आतंकवाद के हर रूप से ''दृढ़तापूर्वक'' लड़ने का संकल्प लेते हुए पहलगाम हमले की पहली बरसी पर भारत के प्रति एकजुटता व्यक्त की। पिछले साल 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर, हम जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को याद करते हुए इजराइल की ओर से उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं और उनके शोक संतप्त परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं।'' उन्होंने कहा कि इजराइल आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ अपनी लड़ाई में दृढ़ और अडिग बना हुआ है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''भारत के साथ मिलकर, हम इस खतरे का दृढ़ संकल्प से सामना करने तथा शांति, सुरक्षा और स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए अपने सहयोग को मजबूत करना जारी रखेंगे।''

इजराइल ने हिज्बुल्ला को तबाह करने में लेबनान का सहयोग मांगा

यरूशलम/एपी। इजराइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने लेबनान से ईरान समर्थित चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला को तबाह करने के लिए तेल अवीव के साथ मिलकर काम करने का बुधवार को आग्रह किया। सार का यह आग्रह बृहस्पतिवार को वाशिंगटन में इजराइल और लेबनान के बीच अगले दौर की शांति वार्ता से एक दिन पहले आया है। दोनों देश पिछले कई दशकों में पहली बार सीधी बातचीत कर रहे हैं। सार ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर इजराइल के राजनयिक दल को संबोधित करते हुए कहा, हमारे लेबनान के साथ कोई गंभीर मतभेद नहीं हैं। कुछ छोटे-मोटे सीमा विवाद हैं, जिन्हें सुलझाया जा सकता है। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच शांति और समान रिश्तों की बहाली में एक ही बाधा है और वह है हिज्बुल्ला। सार ने कहा कि लेबनान का एक संप्रभु, स्वतंत्र और ईरान के प्रभाव से मुक्त देश के रूप में सुनहरा भविष्य हो सकता है।

ट्रंप ने अमेरिका-ईरान युद्धविराम बढ़ाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन/इस्लामाबाद/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के अनुरोध पर ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया है ताकि तेहरान के नेतृत्व को युद्ध समाप्त करने के लिए एक एकीकृत प्रस्ताव तैयार करने के वास्ते अधिक समय मिल सके। इस बीच, बुधवार को ईरानी सेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर गोलीबारी की और उनमें से दो को जब्त कर लिया।

ट्रंप की इस नाटकीय घोषणा का पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व ने स्वागत किया, और यह घोषणा दो सप्ताह के युद्धविराम की समाप्ति से कुछ ही घंटे पहले आई।

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी 'तसनीम' ने बताया कि तेहरान ने युद्धविराम बढ़ाने पर अपनी सहमति की पुष्टि करते हुए कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। दूसरे दौर की वार्ता को लेकर अनिश्चितता के चलते पाकिस्तान ने युद्धविराम की अवधि बढ़ाने का आग्रह किया था। अगले दौर की वार्ता की तारीख को लेकर अभी तक कोई स्पष्टता नहीं थी।

बुधवार को, न्यूयॉर्क पोस्ट ने राष्ट्रपति ट्रंप के हवाले से कहा कि अमेरिका-ईरान वार्ता का दूसरा दौर शुक्रवार को ही हो सकता है। अखबार ने ट्रंप के हवाले से कहा कि अगले 36 से 72 घंटों के भीतर ऐसा घटनाक्रम ''संभव'' है।

हालांकि, ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाक़ाई ने कहा कि तेहरान ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह इस्लामाबाद में पाकिस्तानी मध्यस्थता वाली वार्ता के नए दौर में भाग लेगा या नहीं। बाक़ाई ने बुधवार को बीबीसी से कहा, ''हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि अगर हमें यह लगता है कि इस्लामाबाद जाना हमारे राष्ट्रीय हित में है, तो हम वहां जाएंगे। लेकिन फिलहाल, इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है।''

ईरान ने होर्मुज में तीन जहाजों पर हमले के बाद दो को अपने कब्जे में लिया

दुबई/एपी। ईरान ने बुधवार को होर्मुज जलडमरूमध्य में तीन जहाजों पर हमले किए और उनमें से दो को अपने कब्जे में ले लिया। यह हमला ऐसे समय में हुआ जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका ईरान के साथ युद्धविराम को अनिश्चितकाल के लिए बढ़ाएगा। युद्धविराम बुधवार को समाप्त होने वाला था। ट्रंप ने यह भी कहा है कि अमेरिका ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी जारी रखेगा। ईरानी मीडिया ने कहा कि जहाजों पर इन हमलों को ईरान के अर्द्धसैन्य बल रिवोल्यूशनरी गार्ड ने अंजाम दिया। ईरानी सरकारी टेलीविज़न के अनुसार ये जहाज अब रिवोल्यूशनरी गार्ड के कब्जे में हैं और उन्हें ईरान ले जाया जा रहा है। इन जहाजों की पहचान 'एमएससी फ्रांन्सेस्का' और 'एपामिनोड्स' के रूप में की गई है। जहाजों के मालिकों से इस मामले पर टिप्पणी के लिए फिलहाल संपर्क नहीं हो सका।

होर्मुज से अपने जहाजों की निकासी के लिए ईरान को नहीं किया गया भुगतान : भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने बुधवार को इस बात से इनकार किया कि होर्मुज जलडमरूमध्य से अपने जहाजों को सुरक्षित पार कराने के लिए उसने ईरान को नकद या क्रिप्टोकरेंसी में कोई भुगतान किया है। यह स्पष्टीकरण उस घटना के बाद आया है, जिसमें 18 अप्रैल को इस रणनीतिक जलमार्ग से गुजरने की कोशिश कर रहे दो भारतीय जहाजों पर ईरानी बलों ने गोलीबारी की थी, जिसके बाद उन्हें वापस लौटना पड़ा। बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव मुकेश मंगल ने कहा कि 'सनमार हेराल्ड' जहाज को सुरक्षित मार्ग देने के लिए ईरान को भुगतान किए जाने के बारे में चलाई जा रही खबरें 'फर्जी' हैं।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बहुत चिंताजनक

हो रहे सियासत में पक्के,
शिक्षण के सारे संस्थान।
हैं छात्र सभी भ्रम के शिकार,
गुरु घंटालों में फँसा ज्ञान।
बन रहे दलों के सब मोहरे,
अपने-अपने जिनके निशान।
पीढ़ी यदि भटक गई तो फिर,
कैसे होगा भारत महान।।

होमस्टे में अमेरिकी महिला का यौन उत्पीड़न, दो गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोडागु। कर्नाटक के कोडागु जिले के एक होमस्टे के एक कर्मचारी ने अमेरिकी महिला का कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना एक सप्ताह पहले कोडागु के कुट्टा गांव स्थित एक होमस्टे में हुई थी। पुलिस ने बताया कि झारखंड के मूल निवासी एक कर्मचारी को इस घटना के संबंध में गिरफ्तार किया गया है। वह होमस्टे के आतिथ्य विभाग में काम करता था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि होमस्टे के मालिक को भी इस घटना के संबंध में गिरफ्तार किया गया है क्योंकि महिला द्वारा कथित यौन उत्पीड़न की शिकायत किए जाने पर उसने पुलिस को मामले की जानकारी नहीं दी।

पुलिस के अनुसार, महिला ने आरोप लगाया कि उसके पेय पदार्थ में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया गया और फिर होमस्टे में कर्मचारी द्वारा उसका यौन उत्पीड़न किया गया। पुलिस के अनुसार बाद में, जब उसने इस घटना के बारे में होमस्टे के मालिक को बताया तो उसने मामले को कथित तौर पर दबाने की कोशिश की और तीन दिनों के लिए वाई-फाई सेवा बंद कर दी, ताकि वह उस दौरान किसी से संपर्क नहीं कर सके। पुलिस के अनुसार बाद में इंटरनेट पहुंच प्राप्त होने पर महिला ने कथित तौर पर मैसूरु जाने का बहाना बनाकर परिसर छोड़ा और अमेरिकी दूतावास के अधिकारियों से सम्पर्क किया, जिन्होंने पुलिस से संपर्क में मदद की।

अधिकारी ने बताया कि महिला की शिकायत के आधार पर यौन उत्पीड़न का एक मामला दर्ज किया गया है और सभी आवश्यक प्रक्रियाओं का पालन किया गया। कोडागु के पुलिस अधीक्षक बिंदू मणि आर एन ने पीटीआई-भाषा' को बताया कि घटना के संबंध में आरोपियों को गिरफ्तार करके न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि मामला सामने आते ही पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया और कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, उचित कार्रवाई की जानी चाहिए। होमस्टे जैसी कोई भी जगह चलाने वाले व्यक्ति के पास उचित लाइसेंस होना चाहिए। हमने होमस्टे चलाने के लिए आवश्यक मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) को पहले ही निर्धारित कर दिया है। यदि इन नियमों का उल्लंघन करते हुए ऐसी घटनाएं होती हैं, तो कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। मंत्री ने कहा कि ऐसी घटनाओं से राज्य या समाज के बारे में गलत संदेश जाता है।

उन्होंने कहा, ''विशेषकर जब इसमें बाहरी या विदेशी शामिल होते हैं, तो हमारे समाज और हमारे देश के बारे में किस तरह का संदेश जाता है? इसीलिए कड़ी कार्रवाई आवश्यक है, और हम वह कर रहे हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि घटना के बाद इसे दबाने के प्रयास किए गए। लेकिन पुलिस को सूचना मिलते ही उन्होंने उन्हें हिरासत में ले लिया और उनसे संबंधित जानकारी प्राप्त की।''

इस बीच, भाजपा विधान परिषद सदस्य सी टी रवि ने कहा कि सुरक्षा, गरिमा और जवाबदेही पर कोई समझौता नहीं होना चाहिए और राज्य सरकार से इस मामले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ त्वरित और कड़ी कार्रवाई करने और न्याय सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कोड़ागु के कुट्टा गांव में एक विदेशी महिला पर हुआ भयावह हमला बेहद शर्मनाक और अस्वीकार्य है। ऐसी घटनाएं भारत के 'अतिथि देवो भव' के मूल सिद्धांतों के खिलाफ हैं। यह सिर्फ एक व्यक्ति के खिलाफ अपराध नहीं है, बल्कि हमारे राष्ट्र की छवि और मूल्यों पर एक धब्बा है।''

बचाव

बेंगलूरु में बुधवार को महिलाएं गर्मी से बचने के लिए छाते का इस्तेमाल करती हुई।

देश को सालाना 10 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ने की जरूरत : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/हुब्बल्ली। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रल्हाद जोशी ने बुधवार को कहा कि शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था बनने के लिए देश को अगले दशक के दौरान सालाना लगभग 10 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़नी होगी। मंत्री ने यहां पवन ऊर्जा क्षेत्र के स्वतंत्र बिजली उत्पादक संघ के स्थापना दिवस समारोह में कहा कि भारत की पवन ऊर्जा क्षमता विशाल है और अभी भी इसका काफी हद तक उपयोग नहीं हुआ है।

जोशी ने कहा, ''आज हम वैश्विक स्तर पर चौथे स्थान पर हैं, जहां 56.1 गीगावाट से अधिक क्षमता स्थापित है और अन्य 28 गीगावाट कार्यान्वयन के चरण में है।'' वित्त वर्ष 2025-26 में भारत में रिकॉर्ड 6.1 गीगावाट पवन ऊर्जा क्षमता जोड़ी गई। मंत्री ने कहा, ''हमें 2030 तक 100 गीगावाट क्षमता और 2036 तक 156 गीगावाट क्षमता हासिल करने का भरोसा है।'' उन्होंने कहा, ''2070 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन वाली अर्थव्यवस्था के हमारे बड़े लक्ष्य तक पहुंचने के लिए भारत को अगले दशक तक हर साल लगभग 10 गीगावाट पवन क्षमता जोड़नी होगी।''

जोशी ने कहा कि सरकार ने निवेश के माहौल को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं और पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली दिशानिर्देशों ने निवेशकों के विश्वास में काफी सुधार किया है। पवन ऊर्जा क्षेत्र में एक भरोसेमंद आवाज़ के तौर पर काम करने वाले डब्ल्यूआईपीपीए ने एनर्जी सेक्टर की चुनौतियों का सामना करने और देश के रिन्यूएबल एनर्जी लक्ष्यों को सपोर्ट करने में अहम रोल निभाया है। इस कार्यक्रम में केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा के सचिव संतोष सारंगी और गणमान्य मौजूद थे।

अक्कीपेट वासुपूज्य जैन मन्दिर की धूमधाम से मनाई गई बीसवीं वर्षगांठ

कोठारी, कुहाड़ व भंडारी परिवार ने मंदिरों के शिखर पर फहराई ध्वजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के अक्कीपेट स्थित वासुपूज्य जैन मन्दिर की बीसवीं वर्षगांठ गच्छाधिपति आचार्य जयानंदसूरीश्वरजी के समुदायवर्ति साध्वी मुक्तिप्रज्ञाश्रीजी की निश्रा में बुधवार को धूमधाम से मनाई गई। ध्वजारोहण से पहले मूलनायक वासुपूज्य स्वामी मन्दिर सहित कुंथुनाथ भगवान व महावीर स्वामी मन्दिर के तीनों शिखरों पर ध्वजा के लाभार्थी परिवारों ने अक्कीपेट स्थानक से शोभायात्रा व चतुर्विध संघ के साथ मन्दिर में नूतन ध्वजा लाई जहाँ सत्तरभेदी पूजन व विधिविधान सम्पन्न हुआ। मूलनायक वासुपूज्य भगवान के मन्दिर के शिखर पर कायमी ध्वजा के लाभार्थी शांतिबाई जुहारमलजी ऋषभगोता कोठारी परिवार जनों द्वारा नूतन ध्वजा लहराई गई। इस अवसर पर अन्य ध्वजा के लाभार्थी कुहाड परिवार व भंडारी परिवार सहित बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। तीनों शिखरों पर ध्वजारोहण की व्यवस्था वासुपूज्य जैन सेवा मंडल व महिला सामयिक मंडल ने संभाली। विधिविधान प्राध्यापक मीठालाल एवं अल्पेश गुरु ने सम्पन्न करवाया।

ऊंचाइयों पर पहुंचना बड़ी बात नहीं, बने रहना बहुत बड़ी बात है : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। शहर से विहार करते हुए हल्लीगुड़ी ग्राम में फ्रांस कर्नाटक जनरल हॉस्पिटल में विभिन्न वर्गों और क्षेत्रों के गणमान्य लोगों से संवाद के दौरान जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सार्वजनिक जीवन कभी सरल नहीं होता। सार्वजनिक जीवन में रहते हुए नैतिकता, पवित्रता, सरलता और सावधानी जरूरी होती हैं, क्योंकि ज्यों-ज्यों आपका नाम बढ़ता है, त्यों-त्यों आपके आलोचक भी बढ़ते चले जाते हैं्। साधु हो या गृहस्थ, हर सफल व्यक्ति पर छींटाकसी होती हैं, अफवाएं फैलती हैं और आरोप लगते हैं। इन सबसे डरकर अगर कोई हार मान लेता है तो वह व्यक्ति कभी सफल या बड़ा नहीं बन सकता। आपकी आलोचना आपकी प्रसिद्धि का प्रमाण पत्र है। अप्रसिद्ध व्यक्ति की न तो आलोचना होती हैं और न ही अफवाएं फैलती हैं्। हालांकि हर सफल व प्रसिद्ध व्यक्ति को यह ध्यान रखना होता है कि उसका सार्वजनिक जीवन अनैतिक, अनुचित और मलिन न हों्। प्रसिद्धि पुण्य और परिश्रम से मिलती हैं्। सबको यह नसीब नहीं होती। अपने असामान्य विचारों, कार्यों और उपलब्धियों की बदौलत कोई व्यक्ति सफलता के शिखर छूता है या प्रसिद्ध बनता है। डरना तो सिर्फ उन्हें होता हैं जो गलत, भ्रष्ट या अनैतिक हों्।आचार्यश्री गदग से कोप्पल की पदयात्रा के दौरान एक दिन के प्रवास पर अस्पताल पधारें्। उन्होंने आगे कहा कि अंगुली तो हर किसी पर उठ सकती है, लेकिन वह सच्चे और अच्छे व्यक्ति पर कभी टिकती नहीं हैं्। झूठी अफवाओं का कोई वजूद नहीं होता। अफवाओं से घबराकर अच्छे कार्य और संकल्प कभी छोड़ने नहीं चाहिए्। जितनी रफ्तार से अफवाएं जन्म लेती हैं, उतनी ही रफ्तार से वे समाप्त भी हो जाती हैं्। आलोचक हमें सावधानी से जीने का अवसर देते हैं्। हर सफल व प्रसिद्ध जीवन में थोड़े निंदक-आलोचक होने चाहिए्। बिना आलोचकों के हम गलतियां कर सकते हैं अथवा जीवन भटक सकता है।आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि संसार में कोई भी व्यक्ति परिपूर्ण नहीं होता। भूल होना सहज मानवीय स्वभाव है। लेकिन यदि हम सार्वजनिक जीवन में हैं तो हमें गलतियां करने से बचना चाहिए और भूलों को सुधारने की कोशिश करनी चाहिए्। बदले की भावना और बदइरादों से दूर रहना चाहिए्। जानबूझकर किसी का अहित नहीं करना चाहिए्।

हर नामांकित व्यक्ति से जनसामान्य को अत्यधिक अपेक्षाएं होती हैं्। लेकिन हर प्रसिद्ध व्यक्ति सबकी अपेक्षाओं को पूरी करने में असमर्थ होता है। समाज में हर काल में स्वार्थ सर्वोपरि होता है। जब अपने स्वार्थ की पूर्ति नहीं होती तो लोग किसी भी व्यक्ति को नकार देते हैं इसलिए ऊंचाइयों पर पहुंचना बड़ी बात नहीं, ऊंचाइयों पर बने रहना बहुत बड़ी बात है। महेंद्र चोपड़ा ने बताया कि कुकनूर के श्रद्धालुओं के निवेदन पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वर अपनी पदयात्रा में थोड़ा परिवर्तन कर एक दिन के प्रवास पर शुक्रवार को कुकनूर जाएंगे।

कांग्रेस नेताओं का मानसिक संतुलन बिगड़ गया है: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए कथित रूप से की गई आतंकवादी संबंधी टिप्पणी की दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी के नेताओं ने अपना मानसिक संतुलन खो दिया है।

खरगे ने मंगलवार को चेन्नई में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए, अन्नाद्रमुक के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ गठबंधन की आलोचना करते हुए शुरुआत में प्रधानमंत्री को आतंकवादी कहा था।

जब पत्रकारों ने उनसे टिप्पणी के संदर्भ को स्पष्ट करने को कहा तो कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि उनका मतलब था कि प्रधानमंत्री देश के लोकतांत्रिक ताने-बाने को आतंकित कर रहे हैं।

पति ने साड़ी के बजाय 'नाइट ड्रेस' पहनने पर पत्नी को आग लगा दी

बेलगावी। बेलगावी जिले में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी के साड़ी के बजाय 'नाइटड्रेस' पहनने पर आपत्ति जताते हुए उस पर कथित तौर पर मिट्टी का तेल डालकर आग लगा दी। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना मंगलवार रात खानापुर तालुका के नंदगढ़ गांव में हुई। पुलिस के अनुसार, आरोपी कृष्णा पाटिल (34) को अपनी 32 वर्षीय पत्नी मंजुला पाटिल के घर में 'नाइटड्रेस' पहनने पर आपत्ति थी और वह अक्सर इस मुद्दे पर उससे बहस करता था।

पुलिस ने बताया कि इसी बात को लेकर दंपति के बीच बहस हुई, जिसके बाद आरोपी ने अपनी पत्नी पर कथित तौर पर मिट्टी का तेल छिड़क कर उसे आग लगा दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि महिला करीब 80 प्रतिशत झुलस गई है।

पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड को फांसी कब देगी मोदी सरकार : राकांपा

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में विपक्षी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा)-शरद चंद्र पवार (शप) ने बुधवार को केंद्र सरकार पर पिछले एक साल में पहलगाम आतंकी हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाने में विफल रहने का आरोप लगाया और सवाल किया कि सरकार हमले के मास्टरमाइंड को फांसी कब देगी। राकांपा (शप) प्रवक्ता महेश तापसे ने राष्ट्रीय सुरक्षा और सरकार की कूटनीतिक प्राथमिकताओं पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए एक बयान में पहलगाम हमले के पीड़ितों के परिवारों को न्याय की स्थिति के बारे में भी जानना चाहा। ठीक एक साल पहले, पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए एक क्रूर आतंकवादी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकांश देश के विभिन्न क्षेत्रों के पर्यटक थे। हाल के समय में नागरिकों पर हुए सबसे वीभत्स हमलों में से एक माने जाने वाले इस भयावह हमले को लेकर पूरे देश में आक्रोश फैल गया था।

सरकार ने विमानन ईंधन में एथनॉल, कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा

सरकार ने विमानों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन एटीएफ में एथनॉल और कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की अनुमति दे दी है लेकिन इसके लिए अभी कोई लक्ष्य तय नहीं किया गया है। एक सरकारी अधिसूचना से यह जानकारी मिली है।

आवश्यक वस्तु अधिनियम (एस्मा) के तहत एटीएफ विपणन नियमन आदेश, 2001 में संशोधन के बाद यह कदम उठाया गया है। इससे एटीएफ की परिभाषा का दायरा बड़ा हो गया है जिससे कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के मिश्रण की राह आसान हो गई है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय की तरफ से जारी राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के मुताबिक, एटीएफ की परिभाषा का विस्तार कर उसमें सिंथेटिक हाइड्रोकार्बन के साथ मिश्रण को शामिल किया गया है।

इस कदम का उद्देश्य उत्सर्जन में कमी लाना और कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता घटाना है। हालांकि, फिलहाल इसके लिए कोई अनिवार्य मिश्रण लक्ष्य तय नहीं किया गया है।

पुराने आदेश में संशोधन के तहत एटीएफ को अब ऐसे हाइड्रोकार्बन मिश्रण के रूप में परिभाषित किया गया है, जो आईएस 1571 मानकों के अनुरूप हो या आईएस 17081 मानकों के तहत कृत्रिम हाइड्रोकार्बन के साथ मिश्रित हो। इससे नई तरह के ईंधन को शामिल करने का रास्ता साफ हुआ है।

वैश्विक स्तर पर ब्रिटेन एवं जापान जैसे देश टिकाऊ विमानन ईंधन (एसएएफ) के मिश्रण को अनिवार्य बना रहे हैं। यह ईंधन अपशिष्ट तेल, कृषि अवशिष्ट, शहरी कचरे और अन्य नवीकरणीय स्रोतों से तैयार किया जाता है। इसे कृत्रिम या मानव-निर्मित हाइड्रोकार्बन भी कहा जाता है।

भारत ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वर्ष 2027 तक एक प्रतिशत, 2028 तक दो प्रतिशत और 2030 तक पांच प्रतिशत एसएएफ के मिश्रण का लक्ष्य रखा है। हालांकि, घरेलू उड़ानों में ईंधन के मिश्रण के लिए अभी कोई लक्ष्य तय नहीं किया गया है।

इस संशोधन के तहत प्रवर्तन प्रावधानों को भी अद्यतन किया गया है और तलाशी एवं जब्ती से जुड़े नियमों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के अनुरूप बनाया गया है।

यह संशोधन 'विमानन ईंधन (विपणन नियमन) संशोधन आदेश, 2026' के नाम से अधिसूचित किया गया है और यह राजपत्र में प्रकाशन के साथ ही प्रभावी हो गया है।

पहलगाम हमले की पहली बरसी पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री समेत अन्य नेताओं ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली/भाषा। पहलगाम हमले की पहली बरसी पर बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय मंत्रियों और विभिन्न नेताओं ने पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की और इस बात पर जोर दिया कि देश आतंकवाद के आगे कभी नहीं झुकेगा।

सरकार ने कहा कि लोगों को नुकसान पहुंचाने या एकता को भंग करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से जवाब दिया जाएगा। साथ ही कहा कि भारत आतंकवाद और उसे पनाह देने वालों के खिलाफ अपनी कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति जारी रखेगा। पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा ने पिछले वर्ष इसी दिन जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हमला किया था, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। इनमें अधिकतर पर्यटक थे। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम से जवाबी सैन्य अभियान चलाया था, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में सैन्य तथा आतंकी ढांचे को ध्वस्त किया था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पहलगाम आतंकवादी हमले की बरसी पर पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश हर जगह आतंकवाद को उसके सभी रूपों में हराने के अपने दृढ़ संकल्प पर कायम है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''उस जघन्य कृत्य में निर्दोष लोगों की दुखद मौत हमारी सामूहिक स्मृति में अंकित है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं। पूरा देश उनके साथ खड़ा है। आतंक के ऐसे कृत्य शांति और एकता के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को नहीं रोक सकते।''

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि इस तरह की बर्बरतापूर्ण घटनाएं देश के शांति, एकता और मानवता के चिरस्थायी मूल्यों को बनाए रखने के संकल्प को कभी नहीं डिगा सकतीं। प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम आतंकी हमले की पहली बरसी पर कहा कि भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा और आतंकवादियों के नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''पिछले वर्ष इसी दिन हुए भीषण पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि। उन्हें कभी भुलाया नहीं जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''एक राष्ट्र के रूप में हम शोक और संकल्प में एकजुट हैं। भारत आतंकवाद के किसी भी रूप के आगे कभी नहीं झुकेगा। आतंकियों के नापाक इरादे कभी सफल नहीं होंगे।''

बरसी पर भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अपने दृढ़ संकल्प को दोहराते हुए कहा कि भारत के खिलाफ किसी भी कृत्य का जवाब निश्चित तौर पर दिया जाएगा।

बसवन्ना के समतामूलक विचारों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने लोगों से 12वीं सदी के समाज सुधारक बसवन्ना के सार्वभौमिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने और समानता, करुणा तथा धर्म पर आधारित समाज के निर्माण की दिशा में कार्य करने का आह्वान किया है। राधाकृष्णन ने बुधवार को कर्नाटक के बीदर जिले के भालकी स्थित श्री चन्नबसवाश्रम में हिरेमठ संस्थान के बसवलिंग पट्टादेवरु महास्वामीजी के अमृत महोत्सव समारोह में अपने संबोधन में यह बात कही। उन्होंने बसवलिंग पट्टादेवरु महास्वामीजी के 75वें जन्मोत्सव के अवसर पर संत के सामाजिक और शैक्षिक योगदान की सराहना भी की।

राधाकृष्णन ने कहा कि बीदर का ऐतिहासिक महत्व बहुत अधिक है और यह बसवन्ना से जुड़ा हुआ है, जिन्होंने सामाजिक भेदभाव का पुरजोर विरोध किया और एक समतावादी समाज के निर्माण की दिशा में काम किया। उन्होंने कहा, इस अवसर पर हमें बसवन्ना के सार्वभौमिक दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए–ऐसा समाज बनाना चाहिए जो समानता, करुणा और धर्म पर आधारित हो। उपराष्ट्रपति ने कहा कि कल्याण की इस पवित्र भूमि पर बसवन्ना ने 'अनुभव मंडप' का आयोजन किया था, जिसे विश्व का पहला आध्यात्मिक मंच माना जाता है। उन्होंने कहा कि इसके आदर्श आज भी कई पीढ़ियों को प्रेरित कर रहे हैं।

राधाकृष्णन ने बसवलिंग पट्टादेवरु को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने अपना जीवन सेवा और करुणा को समर्पित किया है। पट्टादेवरु ने 500 से अधिक अनाथ और परित्यक्त बच्चों की देखभाल की तथा 60 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों का नेटवर्क स्थापित किया, जिसमें 20,000 से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। उन्होंने कहा कि महास्वामीजी ने अपने लेखन, उपदेश, यात्राओं और प्रकाशनों के माध्यम से समानता और आध्यात्मिक ज्ञान का संदेश व्यापक स्तर पर फैलाया है और उनका नेतृत्व केवल आध्यात्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं है। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए 'विकास भी, विरासत भी' के दृष्टिकोण का उल्लेख करते हुए कहा कि यह विकास और सांस्कृतिक विरासत को साथ लेकर चलने पर जोर देता है। उन्होंने कहा कि यह दृष्टिकोण उस पुरानी सोच को चुनौती देता है जिसमें आधुनिकता के लिए सांस्कृतिक जड़ों से दूरी बनाने की आवश्यकता मानी जाती थी।

राधाकृष्णन ने कहा, ''इसके बजाय, यह एक ऐसा दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है जहां भारत तकनीकी रूप से उन्नत, आर्थिक रूप से मजबूत और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली होने के साथ–साथ अपनी सभ्यतागत विरासत से गहराई से जुड़ा रहे।'' राधाकृष्णन ने कहा कि मंदिरों, त्योहारों, योग और सांस्कृतिक धरोहरों पर नए सिरे से जोर देने से करोड़ों भारतीयों में गर्व की भावना विकसित हुई है जबकि तीर्थ कॉरिडोर के विकास और विरासत स्थलों के संरक्षण जैसी पहल से भारत की आध्यात्मिक विरासत के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि बीदर में महिला जिलाधिकारी का होना खुशी की बात है और महिलाओं का सशक्तीकरण केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का सशक्तिकरण है। उन्होंने कहा, हर क्षेत्र में महिलाएं मातृत्व, सहानुभूति और करुणा का अनूठा समावेश लेकर आती हैं। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो परिवार समृद्ध होते हैं, समाज मजबूत होता है और राष्ट्र प्रगति करता है।

राधाकृष्णन ने कहा कि धार्मिक केंद्र अपनी गहरी जड़ों और व्यापक प्रभाव के कारण परिवर्तन के शक्तिशाली माध्यम बन सकते हैं और परंपरा तथा प्रगतिशील सोच के समन्वय से एक आध्यात्मिक रूप से समृद्ध, न्यायसंगत और समावेशी समाज के निर्माण में योगदान दे सकते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा, आइए हम सभी तुम और मैं एक हैं' की भावना के साथ मिलकर कार्य करें। स्वामीजी के 75वें जन्मोत्सव का यह अवसर केवल एक मील का पत्थर नहीं, बल्कि सत्य, सेवा और मानवता को समर्पित जीवन का सम्मान है। राधाकृष्णन ने कहा कि अपने लिए जीना गलत नहीं है, लेकिन केवल अपने लिए जीना व्यापक हित के प्रति अन्याय है। उन्होंने कहा कि बसवलिंग पट्टादेवरु ने निस्वार्थ सेवा का जीवन जिया और समाज तथा मानवता के कल्याण के लिए स्वयं को समर्पित किया। उन्होंने कहा, आइए हम उनके श्रेष्ठ विचारों से प्रेरणा लें और अपने–अपने स्तर पर एक अधिक करुणामय, समतामूलक और समावेशी समाज के निर्माण के लिए संकल्पित हों।

खरगे आतंकवाद और उससे लड़ने वालों के बीच अंतर करने में विफल रहे हैं : राधाकृष्णन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गई टिप्पणी पर निशाना साधते हुए बुधवार को कहा कि ''राज्यसभा में विपक्ष के नेता आतंकवाद और उससे लड़ने वालों के बीच अंतर करने में विफल रहे हैं।

'' राधाकृष्णन ने बीदर जिले में श्री चन्नबासव आश्रम में हिरेमठ संस्थान के डॉ. बासवलिंग पट्टादेवरु महास्वामीजी के अमृत महोत्सव (75वीं जयंती) समारोह में अपने संबोधन की शुरुआत में यह टिप्पणी की। इस कार्यक्रम में खरगे, राज्यपाल थावरचंद गहलोत और मंत्री ईश्वर खंड्रे सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

राधाकृष्णन ने कहा,''खरगे जी से मेरा थोड़ा सा मतभेद था – सिर्फ नजरिये का। कभी–कभी मुझे लगता है कि खरगे जी काले और सफेद में, या आतंकवादी और आतंकवादी के लिए भय पैदा करने वाले में फर्क नहीं कर पाते। इसके अलावा मुझे कोई समस्या नहीं है, वह मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं।''

खरगे ने मंगलवार को मोदी पर सरकारी तंत्र और केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर विपक्ष को दबाने व राजनीतिक दलों को आतंकित करने का आरोप लगाया था, जिस पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। खरगे ने चेन्नई में कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के साथ संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया था। उनहोंने इस दौरान भाजपा के साथ ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के गठबंधन की आलोचना करते हुए मोदी को ''आतंकवादी'' कहा।

पेरियार और सी.एन. अन्नादुरई की द्रविड़ विचारधाराओं में रची–बसी अन्नाद्रमुक का भाजपा के साथ गठबंधन पर सवाल उठाते हुए खरगे ने कहा, ''ये अन्नाद्रमुक के लोग, जिन्होंने खुद अन्नादुरई की तस्वीर लगाई है... वे मोदी के साथ कैसे जुड़ सकते हैं? वह (मोदी) एक आतंकवादी हैं। वह समानता में विश्वास नहीं करते। उनकी पार्टी समानता और न्याय में विश्वास नहीं करती। और ये लोग (अन्नाद्रमुक) उनके साथ जुड़ रहे हैं, जिसका मतलब है कि वे लोकतंत्र को कमजोर कर रहे हैं।''

डॉ. बसवलिंग स्वामीजी सेवा, समर्पण और आध्यात्मिकता के साक्षात प्रतीक हैं : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने डॉ. बसवलिंग पट्टादेवरु महास्वामीजी को सेवा, समर्पण और आध्यात्मिकता का साक्षात प्रतीक बताते हुए कहा कि उनका 75 वर्षों का जीवन निस्वार्थ सेवा, आध्यात्मिक साधना और अटूट प्रतिबद्धता का एक उल्लेखनीय संगम है। वह उपराष्ट्रपति श्री सीपी राधाकृष्णन की उपस्थिति में बीदर जिले के भालकी में श्री चन्नबासावाश्रम में आयोजित हिरेमथ संस्थान के डॉ. बसवलिंग पट्टादेवरु महास्वामीजी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में सभा को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि परम पूज्य डॉ. बसवलिंग स्वामीजी का जीवन स्वयं में एक प्रेरणादायक उदाहरण है। उन्होंने कहा कि स्वामीजी का 75 वर्षों का जीवन केवल दीर्घायु ही नहीं, बल्कि अनुभव, ज्ञान और तपस्या की पराकाष्ठा का प्रतीक है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सच्ची महानता पद, प्रतिष्ठा या धन में नहीं, बल्कि त्याग, करुणा और सेवा में निहित है। राज्यपाल ने कहा कि स्वामीजी ने अपना संपूर्ण जीवन समाज के उत्थान, शिक्षा के प्रसार और आध्यात्मिक जागृति के लिए समर्पित कर दिया।

उनके आदर्शों पर प्रकाश डालते हुए राज्यपाल ने कहा कि स्वामीजी ने न केवल मानवता की सेवा ही ईश्वर की सेवा है के सिद्धांत का पालन किया, बल्कि अपने जीवन के माध्यम से इसे साकार भी किया। उन्होंने स्वामीजी को एक बहुआयामी व्यक्तित्व बताया–एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक जो लोगों को आंतरिक शांति की ओर ले जाता था, एक समाज सुधारक जो सामाजिक बुराइयों को दूर करने के लिए प्रतिबद्ध था, और एक शिक्षाविद जो ज्ञान के माध्यम से अज्ञानता को मिटाने का प्रयास करता था। स्वामीजी के युवाओं को दिए संदेश का हवाला देते हुए उन्होंने कहा, अपने लक्ष्य स्पष्ट रखें, मजबूत मूल्यों को अपनाएं और अपने कार्यों में निरंतरता बनाए रखें–यही सफलता का सच्चा सूत्र है। उन्होंने सभी से इन मार्गदर्शक सिद्धांतों को आत्मसात करने और उनका पालन करने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, मंत्री ईश्वर खंड्रे और अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मानव कल्याण के लिए हुई धर्म की स्थापना : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीदर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि मनुष्य धर्म के लिए जन्म नहीं लेता; बल्कि धर्मों की स्थापना मानव कल्याण के लिए की गई है। वह बीदर जिले के भालकी में श्री चन्नबासावाश्रम में हिरेमठ संस्थान के डॉ. बसवलिंग पट्टादेवरु महास्वामीजी की 75वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। खरगे ने कहा, हर किसी को एक मानव समुदाय के रूप में एकजुट होना चाहिए। धर्म आवश्यक है। मनुष्य धर्म के लिए जन्म नहीं लेता; धर्म की स्थापना मानव कल्याण के लिए की गई है। जब तक आप इसे नहीं समझेंगे, तब तक आप प्रगति नहीं कर सकते। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, राज्यपाल थावरचंद गहलोत और कर्नाटक के मंत्री ईश्वर खंड्रे सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि 12वीं शताब्दी के समाज सुधारक बसवन्ना ने मनुवाद' और चतुर्वर्ण' (सामाजिक ढांचा) को अस्वीकार कर दिया था। उन्होंने कहा कि बसवन्ना ने इनका विरोध कर सभी जातियों के लोगों को एकजुट करते हुए एक नयी सामाजिक व्यवस्था की स्थापना की। खरगे ने कहा कि बसवन्ना ने अनुभव मंडप की स्थापना की, जिसे प्रथम आध्यात्मिक संसद माना जाता है, जिसके प्रमुख पिछड़े समुदाय के नेता अल्लामा प्रभु थे। उन्होंने कहा, जब तक हम यह नहीं कहते कि हम सब एक हैं, तब तक कोई भी धर्म विकसित नहीं हो सकता।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कभी भारत और अन्य देशों में बौद्ध धर्म काफी प्रचलित था तथा कई देशों में फलने–फूलने के बावजूद, इसे अपने मूल देश में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, बसवन्ना की शिक्षाओं के साथ ऐसा नहीं होना चाहिए। इसे ध्यान में रखते हुए, हमें उनके दर्शन को बढ़ावा देना चाहिए। खरगे ने कहा कि वह बुद्ध, बसवन्ना, आंबेडकर, नारायण गुरु और कबीर का अनुसरण करते हैं और ये सभी मानवतावादी विद्वान थे जिन्होंने समाज के कल्याण के लिए काम किया। उन्होंने कहा कि समाज में अंधविश्वास काफी फैला हुआ है। खरगे ने कहा, एक नेता के रूप में, मैं कुछ बातें नहीं कह सकता। अगर मैं कुछ कहता हूं, तो वह खबर बन जाती है। मैं जो कहता हूं और अखबारों या टीवी पर जो आता है, वह अक्सर भिन्न होता है, इसलिए मैं ज्यादा नहीं बोलूंगा।

अर्थ डे

बेंगलूरु के बाल भवन में महिला और बाल विकास विभाग के साथ मिलकर आर्ट कल्चरल एजुकेशन एनलाइट फाउंडेशन द्वारा आयोजित वर्ल्ड अर्थ डे प्रोग्राम में छात्र भाग लेते हुए।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला आज

चेन्नई। तमिलनाडु में 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में 5.73 करोड़ से अधिक मतदाता 4,023 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। इस चुनावी मुकाबले में धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन की प्रमुख पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की प्रमुख पार्टी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम आमने–सामने हैं। द्रमुक जहां सत्ता बरकरार रखने के लिए पूरी ताकत लगा रही है, वहीं अन्नाद्रमुक पांच साल तक विपक्ष में रहने के बाद सत्ता में वापसी के लिए पुरजोर कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री और द्रमुक के अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने आश्वासन दिया है कि वह तमिलनाडु को दक्षिण एशिया में एक मॉडल राज्य में बदल देंगे ।

छात्रों के लिए सतत नवाचार और सामाजिक उत्तरदायित्व अनिवार्य : राज्यपाल

कलबुर्गी/दक्षिण भारत । कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने इस बात पर जोर दिया कि ज्ञान और प्रौद्योगिकी में तेजी से हो रही प्रगति के इस युग में, छात्रों को निरंतर सीखने की क्षमता, एक नवोन्मेषी मानसिकता और सामाजिक जिम्मेदारी की एक मजबूत भावना विकसित करनी चाहिए।

वे उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन की उपस्थिति में कलबुर्गी स्थित कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि छात्रों को अपने ज्ञान का उपयोग न केवल व्यक्तिगत सफलता के लिए बल्कि समाज और राष्ट्र की प्रगति और उत्थान के लिए भी करना चाहिए।

भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि देश एक महत्वपूर्ण वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है और इसके युवा इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और उनसे अपने सभी प्रयासों में उत्कृष्टता, ईमानदारी और सेवा भावना को बनाए रखने का आग्रह किया। राज्यपाल ने आगे कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार ने राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप, उन्होंने बहुविषयक शिक्षा और कौशल विकास के महत्व पर बल दिया और विश्वास व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

पर्यावरण के प्रति उत्तरदायित्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि संरक्षण उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि विकास। उन्होंने युवा पीढ़ी से सतत प्रथाओं को अपनाने, प्रकृति के प्रति संवेदनशील रहने और जिम्मेदार नागरिक के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कुलपति प्रोफेसर बट्टू सत्यनारायण और अन्य विशिष्ट गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महिला से छेड़छाड़ के आरोप में युवक की पिटाई, वीडियो वायरल

रायचूर/दक्षिण भारत। उत्तर कर्नाटक के रायचूर शहर में एक निजी अस्पताल में महिला से कथित छेड़छाड़ के आरोप में एक युवक की पिटाई किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार की है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, मेहबूब नामक युवक को कथित तौर पर एक घर में बंद कर महिला के परिजनों द्वारा पीटा गया। आरोप है कि उसे पहले उसके घर से उठाकर ले जाया गया और बाद में रायचूर शहर के एक मकान में कमरे के अंदर बंद कर उसकी पिटाई की गई।

यह घटना उस आरोप के बाद हुई, जिसमें कहा गया कि मेहबूब ने एक निजी अस्पताल में महिला से छेड़छाड़ की थी। इसके बाद महिला के परिवार के सदस्यों ने उसे पकड़कर अपने घर ले जाकर कथित तौर पर मारपीट की। वायरल वीडियो में महिला की बहन युवक से सवाल–जवाब करती हुई दिखाई दे रही है। वह कहती सुनाई देती है कि वह अस्पताल में उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। वीडियो में युवक को माफी मांगते हुए भी देखा जा सकता है, लेकिन इसके बावजूद उसके साथ मारपीट जारी रहने का आरोप है। यह वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पुलिस ने रायचूर के सदर बाजार थाने में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच जारी है।

इससे पहले 11 अगस्त 2025 को भी इसी तरह की एक घटना सामने आई थी, जिसमें एक 25 वर्षीय युवक को महिला से छेड़छाड़ के आरोप में ग्रामीणों ने पीट दिया था। उस घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से वायरल हुए थे। विथल नाइक नामक युवक को एक पेड़ से बांधकर पीटा गया था। पिटाई करने वालों में महिला के परिजन भी शामिल थे।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
बेंगलूरु विभाग से पार्सल स्पेस, पॉर्किंग व विज्ञापन और विभिन्न अनुबंध के लीजिंग के लिए ई-नीलामी
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए नीचे दिए हुए तारीखें में निविदादाताओं से ई-नीलामी आमंत्रित करते है।
1. खानपान और एमपीएस स्टॉल्स: 28.04.2026, 28.04.2026, 22.05.2026, 29.05.2026
2. पॉर्किंग एवं पे एंड यूज़: 24.04.2026, 28.04.2026, 05.05.2026, 20.05.2026, 21.05.2026, 27.05.2026, 28.05.2026
3. पार्सल: 24.04.2026, 07.05.2026, 08.05.2026, 14.05.2026, 15.05.2026
4. विज्ञापन, एटीएम व विभिन्न: 24.04.2026, 28.04.2026, 11.05.2026, 12.05.2026, 13.05.2026, 14.05.2026, 15.05.2026, 18.05.2026, 19.05.2026, 25.05.2026, 26.05.2026
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में कोई शुद्धीपत्र के लिए वेबसाईट को संदर्शन करते रहें
वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक बेंगलूरु
PUB/50/AAF/PRB/SWR/2026-27
आसान टिकट बुकिंग, PNR स्थिति और दूसरी रेलवे सेवाओं के लिए RailOne ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

द्रमुक के मईलापुर उम्मीदवार के सहयोगी से नकदी के बंडल जब्त किए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मईलापुर विधानसभा क्षेत्र में द्रमुक उम्मीदवार के एक सहयोगी के घर से बुधवार को निर्वाचन आयोग के उड़न दस्ते ने 500 रुपये के कई नोट बंडल जब्त किए। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना की पुष्टि करते हुए चेन्नई के जिला निर्वाचन अधिकारी जे. कुमारगुरुबरन ने कहा कि मामले को संबंधित अधिकारियों को सौंप दिया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, उड़न दस्ते की मदद से निरीक्षण किया गया और आवश्यक कार्रवाई की गई है।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि उड़न दस्ते ने मंडावेलीपक्कम स्थित द्रमुक उम्मीदवार डी. ए. वेलु के सहयोगी सत्यामूर्ति के घर से नकदी बरामद की। साथ ही यह सबूत भी मिले हैं कि इस धनराशि को मतदाताओं को लुभाने के लिए रखा गया था। अधिकारी ने बताया कि जब्त नकदी को विस्तृत जांच के लिए आयकर विभाग को सौंप दिया गया है।

इस सीट पर 23 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में वेलु का मुकाबला भाजपा उम्मीदवार और पूर्व राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन तथा टीवीके उम्मीदवार पी. वेंकटरामन से है, जबकि कुल 19 उम्मीदवार मैदान में हैं। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने मांग की कि निर्वाचन आयोग को वेलु को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित करना चाहिए, क्योंकि उनके एक सहयोगी के घर से मतदाताओं में बांटने के लिए रखी गई कथित तौर पर करोड़ों रुपये की राशि बरामद हुई है।

राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति के लिए हो कौशल विकास शिक्षा का उपयोग: राज्यपाल बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को कहा कि कौशल विकास संबंधी शिक्षा का उपयोग राष्ट्र की सर्वांगीण उन्नति के लिए होना चाहिए। राज्यपाल बागड़े यहां एक विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नैतिक मूल्यों की शिक्षा से भौतिक विकास की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। इसके साथ ही उन्होंने कौशल विकास संबंधी शिक्षा के साथ विश्वविद्यालयों में नैतिक शिक्षा को बढ़ावा दिए जाने पर जोर दिया। आधिकारिक बयान के अनुसार

बागड़े ने कहा कि प्रतिभाशाली राष्ट्र के लिए कौशल विकास के साथ विद्यार्थियों को नैतिकता का पाठ भी पढ़ाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने के साथ उन्हें नकल करने की प्रवृत्ति से रोके जाने की शिक्षा दी जाए। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में अच्छा नागरिक बनाने के साथ आदर्श आचरण पर विशेष जोर दिया गया है। बागड़े ने कहा, नई शिक्षा नीति 2020 पूरी तरह से भारतीय परिपेक्ष्य में बनी है। इसमें विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाए जाने के साथ उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान दिया गया है।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि जो कुछ विद्यार्थी सीखे उसका दायरा सीमित नहीं रखें। उन्होंने विद्यार्थियों को सृजनात्मक रहने, निरंतर दूसरों से सीखते हुए अपने कौशल से दुनिया को बदलने, विकसित किए जाने का आह्वान किया।

हमारी सरकार सैनिक कल्याण के लिए प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चूरू। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान वीरों एवं रणबांकुरों की धरती है। यहां के सपूतों ने अनेक युद्धों में वीरता एवं शौर्य का परिचय दिया है। उन्होंने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ को नमन करते हुए कहा कि वीर भूमि के इस सपूत ने मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व समर्पण कर साहस का अप्रतिम उदाहरण पेश किया। उन्होंने कहा कि इन युगपुरूषों से युवाओं को दिशा मिलती है तथा इनकी शौर्य गाथाएं आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देने का काम करेंगी। शर्मा बुधवार को चूरू में आयोजित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण एवं 'शौर्य के साथ संकल्प दिवस' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह ने 19 साल की उम्र में बीकानेर रियासत की सेना में सैन्य जीवन से शुरूआत की। उन्होंने भारत के पहले हेलीकॉप्टर सैन्य अभियान सहित कई सफल नवाचार भी किए। भारत-चीन युद्ध और बांग्लादेश मुक्त करने के संघर्ष में उनका योगदान युवाओं को साहस और युद्ध कौशल की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने पद्म भूषण और परम विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के सम्मान में चूरू स्टेडियम का नाम सगत सिंह राठौड़ स्टेडियम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार सैनिक कल्याण के लिए सजग होकर निरन्तर कार्य कर रही है। डीडवाना-कुचामन में राजस्थान के पहले एकीकृत सैनिक कल्याण परिसर की स्थापना की तथा नवीन जिला सैनिक कल्याण कार्यालय खोले जा रहे हैं। साथ ही, आरटीडीसी के सभी होटलों और गेस्ट हाउसों में वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत और सेवारत एवं पूर्व सैनिकों को 25 प्रतिशत की छूट का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों में राजस्थान एक्स सर्विसमेन कॉर्पोरेशन के जरिए कार्यरत पूर्व सैनिकों के मानदेय वृद्धि, द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों को मिलने वाली पेंशन में बढ़ोतरी, पुलिस, जेल गार्ड, अग्निशमन सहित कई सेवाओं में अग्निवीरों के लिए आरक्षण सहित विभिन्न कदम सैनिक हित में उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीतिक स्वार्थ के कारण सेना के बलिदान की अनदेखी कर वन रैंक वन पेंशन को दशकों तक लटकाए रखा गया। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे लागू कर भूतपूर्व सैनिकों को सम्मान दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मेक इन इंडिया के माध्यम से सेना के आधुनिकीकरण पर बल दिए जाने से भारतीय सेना का विश्व में मान बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने युवाओं को विकास से जोड़ा और सशस्त्र बलों की अनुशासित कार्यवाही से नक्सलवाद की समस्या का समाधान हो गया है।

शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार पिछले सवा दो साल में प्रदेश के विकास का रोडमैप बनाकर काम कर रही है। संकल्प पत्र के 74 प्रतिशत वादे पूरे कर लिए गए हैं तथा संकल्प पत्र में किए गए सभी वादों को पूरा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पानी की उपलब्धता बढ़ाने के लिए ईआरसीपी, यमुना जल समझौता, इंदिरा गांधी नहर, देवास, माही, ब्राह्मणी सहित विभिन्न परियोजनाओं पर भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। यमुना जल समझौते से शेखावाटी को पर्याप्त मात्रा में जल की आपूर्ति होगी जो इस क्षेत्र की तस्वीर और तकदीर बदल देगी। उन्होंने पूर्व विधायक राजेन्द्र राठौड़ को जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ ने भारत-चीन युद्ध में अदम्य शौर्य, वीरता एवं अदम्य साहस दिखाया। शेखावाटी की धरती पर पैदा हुए इस अजेय योद्धा ने देश की सेवा का संकल्प लिया। इन्होंने गोवा मुक्ति संग्राम में भी योगदान दिया। उन्होंने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल की प्रतिमा अनावरण से नौजवानों को नई दिशा मिलेगी एवं आगामी पीढ़ी इससे प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अहम भूमिका निभाएगी।

सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर ने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के बलिदान एवं साहस का जिक्र करते हुए कहा कि भारत-चीन युद्ध में नाथूला बॉर्डर पर उन्होंने दुश्मनों से डटकर मुकाबला किया। उन्होंने आजाद भारत की सेना में विभिन्न पदों पर अपना कौशल सिद्ध किया। चूरू में जन्मे सिंह का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि उनके साहसिक सैन्य अभियान के कारण सिक्किम की जनता 11 सितम्बर को नाथूला विजय दिवस मनाती है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के मूर्ति अनावरण एवं उनकी जीवनी पर आधारित शिलापट का अवलोकन किया। उन्होंने वॉर मेमोरियल का उद्घाटन भी किया। इस अवसर पर केन्द्रीय कृषि राज्यमंत्री भागीरथ चौधरी, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार, राजस्थान राज्य अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास आयोग के अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार नायक, पैरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अध्यक्ष देवेन्द्र झाझड़िया, विधायक हरलाल सहारण सहित विभिन्न जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

चिलचिलाती धूप में पैदल भ्रमण कर शिक्षा मंत्री ने परखी सफाई व्यवस्था

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर बुधवार को श्रीगंगानगर जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने विभिन्न ग्राम पंचायतों में गलियों का पैदल भ्रमण किया और भीषण गर्मी के बीच स्वयं सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। मंत्री मदन दिलावर ने 3 एचएच राजकीय विद्यालय के औचक निरीक्षण के बाद अपनी कार छोड़कर गांव में मौजूद ग्रामीण महिला एवं पुरुषों से संवाद कर पंचायत द्वारा करवाई जा रही सफाई व्यवस्था की जानकारी ली। इस दौरान ग्रामीणों ने मंत्री को बताया कि ग्राम पंचायत स्तर पर नियमित रूप से सफाई नहीं करवाई जा रही है, जिससे गांव में गंदगी की स्थिति बनी हुई है। इस पर मंत्री ने नाराजगी जताते हुए संबंधित अधिकारियों को तुरंत सुधार के निर्देश दिए।

इसके पश्चात शिक्षा मंत्री पंचायत समिति श्रीगंगानगर की ग्राम पंचायत गणेशगढ़ के गांव 22 एमएल पहुंचे। यहां उन्होंने स्थानीय महिलाओं से गांव में झाड़ू लगाने, कचरा संग्रहण एवं साफ-सफाई की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मंत्री ने जिला परिषद अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सफाई कार्य में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जिम्मेदार कार्मिकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई की जाए। दौरे के दौरान उन्होंने पंचायत एवं शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न व्यवस्थाओं की समीक्षा की तथा जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला परिषद के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हरिराम चौहान सहित मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री ने श्रीगंगानगर में राजकीय विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण, लापरवाही पर जताई नाराजगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने अपने दो दिवसीय श्रीगंगानगर दौरे के दौरान बुधवार को कक्षा 1 से 8 तक संचालित राजकीय विद्यालय 3 एचएच और सूरतगढ़ की ग्राम पंचायत भगवानगढ़ के एक डीबीएनडी का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान विद्यालयों में अनियमितताएं सामने आईं, जिस पर मंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के समय राजकीय विद्यालय 3 एचएच के प्रिंसिपल गिरजा शंकर अनुपस्थित पाए गए। जानकारी लेने पर पता चला कि उन्होंने अवकाश भी स्वीकृत नहीं कराया था। इसके अलावा दो अन्य शिक्षक भी बिना अनुमति के अनुपस्थित मिले। विद्यालय में कक्षा 1 से 8 तक कुल 32 विद्यार्थियों का नामांकन है जबकि गांव की आबादी लगभग 700 है। इस पर मंत्री ने नामांकन व शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने कक्षा आठवीं के विद्यार्थियों से सवाल-जवाब कर उनके शैक्षणिक स्तर का आकलन किया, जिसमें छात्रों का प्रदर्शन कमजोर पाया गया। एक छात्र द्वारा साधारण गणितीय प्रश्न का गलत उत्तर देने पर मंत्री ने शिक्षण व्यवस्था में सुधार के निर्देश दिए। कक्षा 7 के निरीक्षण में 3 विद्यार्थी उपस्थित मिले। इस दौरान मंत्री ने सीडीईओ अरविंदर सिंह से विद्यालयों के नियमित निरीक्षण को लेकर जवाब-तलब किया। सीडीईओ ने संबंधित प्रिंसिपल के विरुद्ध कार्रवाई का आश्वासन दिया।

मंत्री ने स्पष्ट कहा कि कम विद्यार्थियों के बावजूद बेहतर परिणाम अपेक्षित हैं, लेकिन वर्तमान स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, अनुशासन बनाए रखने तथा नामांकन बढ़ाने के लिए ठोस कदम उठाने के भी निर्देश दिए। इसके बाद शिक्षा मंत्री ने पंचायत समिति सूरतगढ़ की ग्राम पंचायत भगवानगढ़ के एक डीबीएनडी स्कूल का भी निरीक्षण किया। विद्यालय वर्ष 2021 में माध्यमिक से उच्च माध्यमिक विद्यालय मे क्रमोन्नत हो गया था, परन्तु विद्यालय के प्रवेश द्वार पर माध्यमिक विद्यालय का बोर्ड लगा मिला। विद्यालय के शौचालय में पानी की व्यवस्था नहीं थी। छात्र-छात्रा शौचालय का नाम सही अंकित नहीं पाया गया। इस पर मंत्री ने आवश्यक सुधार के निर्देश दिए।

अदालत ने संशोधित ट्रांसजेंडर कानून को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र से जवाब मांगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने ट्रांसजेंडर व्यक्ति (अधिकारों का संरक्षण) संशोधन अधिनियम 2026 के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र से जवाब तलब किया है। याचिका में दावा किया गया है कि ये प्रावधान इस समुदाय के हितों के विपरीत हैं। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायमूर्ति शुभा मेहता की पीठ ने मंगलवार को गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'नई भोर संस्था' द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव तथा केन्द्रीय विधि सचिव को नोटिस जारी किया।

याचिकाकर्ताओं ने दलील दी है कि 2019 के अधिनियम में हाल ही में किए गए संशोधनों ने ऐसे प्रतिगामी प्रावधान सामने आए हैं जो ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के मौलिक अधिकारों, स्वायत्तता और गरिमा को कमजोर करते हैं। याचिकाकर्ताओं ने उन प्रावधानों को भी चुनौती दी जिनके तहत नए अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है।

आशंका जताई गई है कि इन अपराधों की परिभाषा अस्पष्ट है और इनका दुरुपयोग हो सकता है। याचिका के अनुसार 2026 का संशोधन यह अनिवार्य करता है कि लिंग पहचान प्रमाण पत्र जारी करने से पहले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की अध्यक्षता वाले एक मेडिकल बोर्ड द्वारा शारीरिक परीक्षण किया जाए और उसके बाद मजिस्ट्रेट को रिपोर्ट सौंपी जाए। याचिकाकर्ताओं ने दलील दी कि ये अनिवार्यता 'चिकित्सा पहरेदारी' जैसी हैं और ये निजता के अधिकार तथा व्यक्तिगत स्वायत्तता का 'उल्लंघन' करती हैं।

राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग के प्रमुख शासन सचिव ने की विभाग के कामकाज की समीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्व एवं उपनिवेशन विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने बुधवार को अजमेर प्रवास के दौरान राजस्व मंडल के अधिकारियों की समीक्षा बैठक में प्रशासनिक कामकाज की समीक्षा की एवं आवश्यक दिशानिर्देश दिए ।

उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग के अंतर्गत विविध लोक महत्व के दायित्वों को प्रभावी ढंग से पूरा करने में सभी स्तर से और अधिक मुस्तैदी एवं समन्वय से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने राजस्व संबंधी सेवाओं को और बेहतर बनाने को लेकर उपयोगी सुझाव भेजने के निर्देश प्रदान करते हुए अधीनस्थ राजस्व न्यायालयों के पीठासीन अधिकारियों के कार्य निष्पादन में गुणात्मक सुधार के लिए प्रभावी मॉनिटरिंग एवं फॉलो अप की भी आवश्यकता प्रतिपादित की। निबंधक महावीर प्रसाद ने राजस्व मंडल के प्रशासनिक दायित्व एवं कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से चर्चा की ।

इस अवसर पर अतिरिक्त निबंधक (न्याय) हेमंत स्वरूप माथुर, उपनिबंधक रविंद्र कुमार, उपनिबंधक श्रीमती सुनीता यादव, वित्तीय सलाहकार सोहन सिंह, सांख्यिकी निदेशक श्रीमती बीना वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे ।

प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत ने बुधवार पूर्वाह्न राजस्व अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (आरआरटीआई) का निरीक्षण किया एवं वहां प्रशिक्षण व शोध संबंधी गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने आरआरटीआई एवं इसके अधीन राज्य भर में चल रहे पटवार प्रशिक्षण विद्यालयों की सेवाओं को और बेहतर बनाने पर जोर दिया ।

उन्होंने आरआरटीआई में आरटीएस के साथ – साथ रीडर्स तथा अन्य राजस्व कार्मिकों के भी प्रशिक्षण आयोजित किए जाने एवं वहां नवीनतम शोध सामग्री की उपलब्धता एवं तकनीकी संसाधनों के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने आरआरटीआई के आवासीय परिसर व पुस्तकालय आदि का अवलोकन करते हुए विविध नवाचार, रिफ्रेशर कोर्सेज, शोध विशेषज्ञों की सेवाओं एवं नवीनतम साहित्य की उपलब्धता के प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश प्रदान किये।

देश भर में साइबर ठगी करने वाले गिरोह के 38 लोग गिरफ्तार

जयपुर। डूंगरपुर जिले में पुलिस ने देश भर में 10 करोड़ रुपये से अधिक की ऑनलाइन धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए इसके 38 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों पर नकेल कसने के विशेष 'ऑपरेशन म्यूल हंट' के तहत पिछले 15 दिन में ये गिरफ्तारियां की गई हैं। उन्होंने कहा, पिछले 15 दिन में 'ऑपरेशन म्यूल हंट' के तहत डूंगरपुर जिले के अलग-अलग इलाकों से 38 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी देश भर में दर्ज ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामलों में शामिल थे और उन्होंने लोगों से करोड़ों रुपये ठगने की बात कबूल की है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक आरोपियों के खिलाफ कुल 17 मामले दर्ज किए गए हैं और शुरुआती जांच के मुताबिक इनके द्वारा 10 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई है। यह आगे जांच में और भी बढ़ेगी।

ट्रक ने स्कूल बस को टक्कर मारी, एक की मौत

जयपुर। राजस्थान के बाड़मेर जिले में बुधवार को सुबह एक स्कूल बस को ट्रक ने टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, इस हादसे में एक किशोर की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। यह हादसा बायतू पुलिस थाना क्षेत्र में हुआ। स्कूल बस बच्चों को लेकर जा रही थी और उसी दौरान एक ट्रक ने उसे टक्कर मार दी। बायतू के थानाधिकारी मनोहर विश्नोई ने बताया कि निजी स्कूल की इस बस में 36 बच्चे सवार थे। हादसे में घायल हुए आठ बच्चों को बायतू अस्पताल से बालोतरा रेफर किया गया। गंभीर रूप से घायल वीरधाराम (14), निवासी भीमरलाई को जोधपुर रेफर कर दिया गया।

अपने वजूद की निर्णायक लड़ाई में जुटे हनुमान बेनीवाल

बाल मुकुंद जोशी
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सियासत वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव की ओर बढ़ रही है, और इस बार यह मुकाबला हनुमान बेनीवाल के लिए किसी निर्णायक परीक्षा से कम नहीं दिखता। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के प्रमुख के तौर पर यह चुनाव उनके राजनीतिक भविष्य की दिशा तय करने वाला माना जा रहा है, एक तरह से करो या मरो की स्थिति। पिछले कुछ समय से बेनीवाल की सक्रियता यह संकेत देती है कि वे इस चुनौती को लेकर पूरी तरह गंभीर हैं। देश और प्रदेश में लगातार कार्यक्रमों, सभाओं और जनसंपर्क अभियानों के जरिए वे अपने समर्थकों के बीच यह संदेश देने से नहीं चूकते कि यह उनकी आखिरी लड़ाई है। वे अक्सर कहते हैं कि यदि इस बार जनता का भरोसा मिला तो वे सेवा जारी रखेंगे, अन्यथा अपने संघर्ष को विराम देने पर विचार करेंगे।

उनकी राजनीतिक शैली भी उन्हें अलग पहचान देती है। तीखे तेवर, स्पष्ट बयान और विरोधियों पर सीधे हमलेइन्हीं के बल पर वे लंबे समय से सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि विरोधी इसे उनका 'बड़बोलापन' करार देते हैं, लेकिन समर्थकों के बीच यही अंदाज उनकी लोकप्रियता की वजह भी बनता है।

हाल ही में सीकर जिले के धरनी में यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा की पुत्री के विवाह समारोह में देर रात उनकी मौजूदगी ने एक बार फिर यह साबित किया कि बेनीवाल की जनअपील में कमी नहीं आई है। रात दो बजे पहुंचे इस कार्यक्रम में समर्थकों का उत्साह अपने चरम पर था। यह उनके उस राजनीतिक व्यक्तित्व को भी दर्शाता है, जिसमें देर रात तक सक्रिय रहना अब सामान्य बात हो चुकी है, चाहे वह विवाह समारोह हो, आंदोलन का मंच या पार्टी की सभा।नागौर की राजनीति से उभरकर प्रदेश स्तर पर अपनी पहचान बनाने वाले बेनीवाल की यात्रा भी कम दिलचस्प नहीं रही है। उन पर 'जाटवाद' को बढ़ावा देने के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन बड़ी संख्या में भीड़ जुटाने और मुद्दों को आक्रामक ढंग से उठाने की उनकी क्षमता उन्हें अलग खड़ा करती है। पीड़ितों के पक्ष में खुलकर खड़े होने की उनकी शैली ने उन्हें जनाधार भी दिया है। फिर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। भाजपा और कांग्रेस के साथ गठबंधन कर वे संसद तक तो पहुंचे, लेकिन खींवसर में मिली हार ने उन्हें सियासत की कठोर वास्तविकता का एहसास कराया। अब आरएलपी को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए नागौर और आसपास के क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करना और जनसमर्थन को वोटों में बदलना उनके सामने बड़ी चुनौती है। राजस्थान की मौजूदा राजनीति में जहां कांग्रेस और भाजपा अपनी-अपनी रणनीतियों में व्यस्त हैं, वहीं बेनीवाल की सक्रियता और बयानबाजी उन्हें चर्चा के केंद्र में बनाए हुए है। अब देखना यह होगा कि 2028 का चुनाव उन्हें सत्ता के केंद्र तक पहुंचाता है या फिर वे सियासत के नेपथ्य में चले जाते हैं।

प्रधानमंत्री का एक करोड़ से अधिक लोक सेवकों को पत्र

'नागरिक देवो भव' हर निर्णय का मूलमंत्र हो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक करोड़ से अधिक लोक सेवकों को पत्र लिखकर कहा है कि 'नागरिक देवो भव' (नागरिक ही भगवान है) का सिद्धांत हर निर्णय का मूलमंत्र होना चाहिए और सरकार को अपनी क्षमता के अनुसार जनता की सेवा करनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने लोक सेवकों को यह भी बताया कि शासन करुणा पर आधारित होना चाहिए और सार्वजनिक सेवा की जिम्मेदारी निभाने वालों को आजीवन सीखते रहने का एक सर्वोत्तम उदाहरण बनना चाहिए।

सिविल सेवा दिवस से एक दिन पहले 20 अप्रैल को लिखे गए ये पत्र 12 भाषाओं – हिंदी, अंग्रेजी, मराठी, ओडिया, गुजराती, बांग्ला, कन्नड़, पंजाबी, असमिया, मलयालम, तेलुगु और तमिल में जारी किए गए।

मोदी ने कहा कि 21वीं सदी बड़ी चुनौतियों के साथ-साथ अवसरों का भी समय है और रुझान हर दिन बदल रहे हैं, नई प्रौद्योगिकियां उभर रही हैं और लगातार नए नवाचार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों और दुनिया दोनों को देश से बहुत उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि सरकार की सेवाएं और कार्य संस्कृति इस ऐतिहासिक युग का अधिकतम लाभ उठाने के लिए अनुकूल हों। इस दिशा में 'आईगॉट कर्मयोगी' जैसे मंचों के उपयोग से आजीवन सीखने को आदत बनाना महत्वपूर्ण है। आप बेहतर बनने का चुनाव कर रहे हैं ताकि भारत बेहतर बन सके।''

प्रधानमंत्री ने लोक सेवकों को 'कर्मयोगी' कहकर संबोधित किया और कहा कि उन्होंने यह पत्र उन्हें एक बहुत ही विशेष समय पर लिखा है, क्योंकि भारत के कई हिस्सों में त्योहारों का मौसम है। उन्होंने कहा कि रोंगाली बिहू, विशु, पुथंडू, पोइला बोइशाख, महा बिशुबा पाना संक्रांति और बैसाखी के उत्साह से पूरा वातावरण सराबोर है।

मोदी ने कहा कि ये त्योहार आशा और नई शुरुआत के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा, ''ऐसे समय में, आप सीखने और विकास के एक उत्सव – 'साधना सप्ताह' का हिस्सा बन गए हैं। भारत के कोने-कोने से लोक सेवकों को एक साथ लाने वाले इस अनूठे प्रयास का हिस्सा बनने के लिए मैं आपको बधाई देता हूं।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि वह लोक सेवकों के सेवाभाव के प्रति गहरी सराहना व्यक्त करना चाहते हैं, इसी सेवाभाव के कारण वे इस प्रयास का हिस्सा बन सके। उन्होंने कहा, ''मेरा हमेशा से यह मानना रहा है कि ऐसे मंच व्यक्तिगत विकास और पेशेवर क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आवश्यक हैं।''

नीतीश कुमार ने जदयू के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम घोषित की

पटना/भाषा। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने पार्टी के पदाधिकारियों की नई सूची बुधवार को जारी की। इसमें कुल 24 नेताओं को विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। सूची के अनुसार, नीतीश कुमार पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे, जबकि संजय कुमार झा को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, पार्टी ने चंदेश्वर चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया है जबकि सांसद डॉ. आलोक कुमार सुमन को कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। जदयू ने 12 नेताओं को महासचिव बनाया है।

युवाओं, किसानों का पलायन रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन जरूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि महानगरों की ओर पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण तथा आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर सृजित करना जरूरी है।

गडकरी ने 'सेव द अर्थ कॉन्क्लेव' के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि गांवों में किसानों और मजदूरों की आर्थिक स्थिति गंभीर बनी हुई है। उन्होंने कहा, '' रोजगार के अवसरों की कमी के कारण गांवों के युवा, किसान और मजदूर दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, बेंगलूरु और पुणे जैसे शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। हमें गांवों और आदिवासी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उत्पन्न करने चाहिए।'' सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि युवा और किसान मजबूरी में गांव छोड़ रहे हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में 10,000 किसान आत्महत्याओं का भी उल्लेख किया।

गडकरी ने कृषि क्षेत्र में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि किसानों को 'अन्नदाता' से आगे बढ़कर 'ऊर्जादाता' बनना चाहिए। उन्होंने वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन के उत्पादन को बढ़ाने की भी वकालत की।

मंत्री ने कहा, '' हम 22 लाख करोड़ रुपए के जीवाश्म ईंधन का आयात करते हैं जिससे प्रदूषण भी होता है...। इसलिए हमें वैकल्पिक ईंधन और जैव ईंधन के उत्पादन को बढ़ाने पर काम करना चाहिए।''

कांग्रेस पश्चिम बंगाल में अपना खाता भी नहीं खोल पायेगी : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधते हुए दावा किया कि राहुल गांधी की पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पायेगी और ममता बनर्जी का इस पार्टी से जुड़ाव उनके राजनीतिक पतन को और तेज करेगा। शाह ने दम दम इलाके में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल में भाजपा के कई प्रमुख चुनावी मुद्दों को एक साथ जोड़ने की कोशिश की। उन्होंने घुसपैठ, महिलाओं की सुरक्षा, 'सिंडिकेट राज', वंशवादी राजनीति और बाबरी मस्जिद जैसे मुद्दों को उठाया और इस मुकाबले को तृणमूल कांग्रेस की ''आतंक की राजनीति'' को समाप्त करने के लिए एक निर्णायक लड़ाई के रूप में पेश किया। उन्होंने कहा, ''मैं राहुल गांधी को बताना चाहता हूं कि तमिलनाडु और पुडुचेरी में कांग्रेस दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच पायेगी। पश्चिम बंगाल में तो आप अपना खाता भी नहीं खोल पाएंगे और असम में कांग्रेस को अब तक की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ेगा।''

कांग्रेस नेतृत्व पर निशाना साधते हुए, शाह ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर राहुल गांधी के प्रभाव में आकर राजनीतिक संवाद का स्तर गिराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''आतंकवाद का खात्मा करने वाले नरेन्द्र मोदी जी को खरगे जी आतंकवादी कह रहे हैं। राहुल गांधी के साथ रहने से खरगे जी की भाषा भी बिगड़ने लगी है। राहुल गांधी, ध्यान से सुनो... आप मोदी जी को जितने अधिक अपशब्द कहेंगे, आप जितना अधिक कीचड़ उछालोगे, कमल उतना ही अधिक शान से खिलेगा।''

भाजपा एक 'संगठित गिरोह' है : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को एक 'संगठित गिरोह' करार देते हुए बुधवार को कहा कि नफरत फैलाना और समाज में दूरी बनाना ही सत्तारूढ़ दल का प्रिय एजेंडा है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री यादव ने पार्टी के प्रदेश कार्यालय में लोकसभा और विधानसभा में अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए सुरक्षित सीट पर सपा की ओर से पूर्व में खड़े किए गए प्रत्याशियों और नेताओं की बैठक को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा का आचरण निम्न स्तरीय है और वह समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ दुश्मनों जैसा व्यवहार करती हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''भाजपा संगठित गिरोह है। नफरत फैलाना और समाज में दूरी बनाना भाजपा का प्रिय एजेंडा है।''

यादव ने भाजपा पर महिला आरक्षण को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया और कहा कि देश में महिला आरक्षण कानून 2023 में ही लागू हो चुका है, लेकिन भाजपा के नेता झूठ बोलने से नहीं बाज आ रहे है। उन्होंने कहा, ''देश की जनता भाजपा के झूठ और भ्रामक प्रचार को समझ रही है। पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) की एकता से घबराई भाजपा जनता के बीच इसी तरह का प्रोपेगेंडा चलाती है। भाजपा भ्रष्टाचार, लूट, महंगाई, बेरोजगारी से ध्यान हटाने के लिए झूठ का सहारा लेती है।''

यादव ने पार्टी नेताओं को भाजपा से सावधान करते हुए कहा कि 2027 के चुनाव में कोई चूक नहीं होनी चाहिए।

बंगाल में चुनाव के लिए केंद्रीय बलों की भारी तैनाती पर ममता ने पूछा-

क्या मुझे डराने की है कर रहे कोशिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमदंगा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सीआरपीएफ के बख्तरबंद वाहनों की तैनाती पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए बुधवार को आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र ने सरकार के सभी विभागों को अपने पक्ष में काम करने के लिए लगा दिया है।

ममता उत्तर 24 परगना जिले में तृणमूल कांग्रेस की एक रैली को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने दावा किया कि सीआरपीएफ, आईटीबीपी, सीआईएसएफ और बीएसएफ जैसे केंद्रीय बलों के साथ-साथ रेलवे सहित अन्य केंद्रीय इकाइयों को भी चुनाव में तैनात किया गया है।

तृणमूल प्रमुख ने कहा, ''चुनाव लोकतंत्र का त्योहार है, किसी की हत्या करने का नहीं।'' उन्होंने समर्थकों से कहा कि अगर उन्हें किसी भी तरह के उत्पीड़न का सामना करना पड़े तो वे प्राथमिकी दर्ज कराएं। उन्होंने पूछा, ''चुनाव के लिए केंद्रीय बलों के लगभग दो लाख कर्मियों को बंगाल लाया गया है। यह अभूतपूर्व है। क्या वे इतनी बड़ी संख्या में बलों को तैनात कर मुझे डराने की कोशिश कर रहे हैं?''

भाजपा को चुनौती देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं देखना चाहती हूं कि किसके पास ज्यादा ताकत है – बख्तरबंद गाड़ियों के पास या जनता के पास।''

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की हालिया टिप्पणियों का जिक्र करते हुए, जिनमें उन्होंने उपद्रवियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी थी, तृणमूल प्रमुख ने कहा कि ऐसे बयान चुनाव जीतने के बाद ही दिए जाने चाहिए। उन्होंने कहा, ''आपकी जीत की कोई संभावना नहीं है।''

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राज्य पुलिस भाजपा के पक्ष में काम कर रही है। उन्होंने आईएएस, आईपीएस और अन्य अधिकारियों से निष्पक्ष तरीके से काम करने का आग्रह करते हुए कहा, ''हमारी पुलिस उनकी सहयोगी बन गई है; वे अब मुझे नहीं पहचानते, वे भाजपा को जानते हैं।''

बंदरिया ने बच्ची को एक घंटे तक 'संभाला'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुजफ्फरनगर (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर जिले के चरथावल कस्बे में हुई एक दिलचस्प घटना के तहत घर में घुसी एक बंदरिया ने तीन महीने की बच्ची को करीब एक घंटे तक अपने कब्जे में ले रखा और परिजन को उसके पास नहीं जाने दिया। बाद में एक पशु प्रेमी ने बंदरिया का ध्यान बंटाकर बच्ची को बचाया।

पुलिस ने बताया कि इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने बुधवार को बताया कि चरथावल कस्बे में एक घर में मंगलवार की शाम को घुसी एक बंदरिया तहसीन नामक महिला की तीन माह की बेटी कुलसुम के पास बैठ गई। उन्होंने बताया कि बच्ची से बिल्कुल सटकर बैठी बंदरिया से घबराये परिजन ने कुलसुम को वहां से हटाने और बचाने की कोशिश की मगर बंदरिया ने उन्हें पास नहीं आने दिया।

अधिकारियों ने बताया कि बंदरिया करीब एक घंटे तक बच्ची के पास रही और इस दौरान वह उसका खासा ख्याल करती दिखी और उसे जरा भी चोट नहीं पहुंचायी। उन्होंने बताया कि आखिरकार एक पशु प्रेमी सनी चोपड़ा की मदद से बंदरिया का ध्यान भटकाकर बच्ची को बिना किसी चोट के सुरक्षित बचाया गया।

चोपड़ा ने कहा, ''मैं सावधानी से बंदरिया के पास पहुंचने और बच्ची को सुरक्षित वापस लाने में कामयाब रहा। बच्ची को तुरंत उसके परिवार को सौंप दिया गया।''

इस घटना का एक वीडियो बुधवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें कमरे के अंदर बच्ची के साथ बिल्कुल सटकर बैठी बंदरिया दिखाई दे रही है।

परिवार के करीबियों ने बताया कि इस अजीबोगरीब घटना के बावजूद बच्ची को कोई चोट नहीं आई है और वह पूरी तरह स्वस्थ है।

कांग्रेस और सपा का इतिहास ही नारी-विरोध का : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोरखपुर (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिला आरक्षण संबंधी संशोधन विधेयक के विरोध को लेकर बुधवार को विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि ''कांग्रेस और सपा का तो इतिहास ही नारी-विरोध का रहा है''। उन्होंने विपक्षी दलों पर तंज कसते हुए कहा कि संशोधन विधेयक पारित नहीं होने पर जश्न मनाने वालों के रहते महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन खतरे में है।

मुख्यमंत्री ने 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसद आरक्षण दिलाने की पहल करते हुए संसद में संशोधन प्रस्ताव प्रस्तुत किया, लेकिन कांग्रेस, समाजवादी पार्टी(सपा), तृणमूल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने इसका विरोध किया और जब यह विधेयक पारित नहीं हो पाया तो इन दलों के सदस्य तालियां बजाते और 'हंसते-नाचते' हुए सदन से बाहर निकले।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''भाजपा ने तय किया है कि जो लोग आधी आबादी को मिलने वाले उनके जायज अधिकारों पर प्रहार करते हों, उनमें बाधा उत्पन्न करते हों, उन लोगों को सबक सिखाने की आवश्यकता है क्योंकि उनके रहते आधी आबादी की सुरक्षा, सम्मान और उनका स्वालंबन खतरे में है और इसके लिए जगह-जगह प्रदर्शन हो रहे हैं।''

योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस को महिलाओं, दलितों और पिछड़ी जातियों की विरोधी बताते हुए कहा, ''कांग्रेस और सपा का इतिहास ही नारी-विरोध का रहा है। कांग्रेस के इतिहास को कौन नहीं जानता। नारी को उसका अधिकार मिले, वंचितों, दलित और पिछड़ी जातियों को उनका हक मिले, इसमें कांग्रेस हमेशा बाधक रही। समाजवादी पार्टी तो घोषित रूप से नारी विरोधी है। उसके लिए तो नारा ही गूंजता था कि 'देख सपाई बिटिया घबराई'।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाएं आज बिना रोक-टोक हर क्षेत्र में नेतृत्व दे रही हैं, लेकिन यह नेतृत्व और सशक्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर तथा विकसित भारत के लिए जरूरी है कि महिलाओं को राजनीतिक भागीदारी भी मिले।

भाजपा को जिताने के लिए काम कर रहे हैं सीईसी : सिब्बल

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व कानून मंत्री कपिल सिब्बल ने बुधवार को मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जीत दिलाने के लिए उसके साथ मिलकर काम करने का आरोप लगाया और दावा किया कि वह ''राष्ट्रीय शर्म'' बन चुके हैं।

राज्यसभा सदस्य ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए सुरक्षा कर्मियों की बड़े पैमाने पर तैनाती को लेकर भी भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार और निर्वाचन आयोग पर हमला बोला। सिब्बल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चर्चित क्रातिकारी नारे 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हे आजादी दूंगा' को कथित तौर पर स्वामी विवेकानन्द द्वारा दिया गया उद्घोष बताने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्हें इतिहास और संविधान के बारे में कोई जानकारी नहीं है क्योंकि वह केवल बुलडोजर और ऐसी अन्य चीजों के बारे में जानते हैं।

भाजपा की महिला नेताओं ने पप्पू यादव से सार्वजनिक माफी की मांग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की महिला नेताओं ने बुधवार को निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की कथित विवादित टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हुए उनसे सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की और विपक्षी दलों से इस मुद्दे पर स्पष्ट रुख अपनाने को कहा।

कांग्रेस समर्थक और पूर्णिया से लोकसभा सदस्य पप्पू यादव ने हाल में आरोप लगाया था कि राजनीतिक जीवन में महिलाएं ''पुरुषों के बेडरूम के रास्ते'' आगे बढ़ती हैं।

पटना स्थित बिहार भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्य की पूर्व खेल मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा, ''हम पप्पू यादव की अपमानजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा करते हैं। यह केवल किसी व्यक्ति की सोच नहीं दर्शाती, बल्कि उनके संस्कार और महिलाओं के प्रति उनकी मानसिकता को भी उजागर करती है।'' उन्होंने सांसद से देश की सभी महिलाओं से सार्वजनिक माफी मांगने की मांग की।

श्रेयसी सिंह ने कांग्रेस को यादव का ''संरक्षक'' बताते हुए कहा कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा को स्पष्ट करना चाहिए कि वे उनकी भाषा का समर्थन करते हैं या विरोध।

खेलों को बढ़ावा देने दंतेवाड़ा पहुंचे तेंदुलकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दंतेवाड़ा/भाषा। पूर्व महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर बुधवार को छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए जो जमीनी स्तर की खेल पहल का हिस्सा है और इसका मकसद कभी माओवाद से प्रभावित रहे इस इलाके को एक फलता-फूलता खेल केंद्र बनाना है और युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करना है।

इस अवसर पर तेंदुलकर ने इस बात पर जोर दिया कि सफलता के लिए कड़ी मेहनत, अनुशासन और लगातार अभ्यास जरूरी है। उन्होंने कहा कि लक्ष्य हासिल करने का कोई 'शॉर्टकट' नहीं होता। उन्होंने बच्चों को यह भी सलाह दी कि वे सोच-समझकर दोस्त चुनें और अच्छे इंसान बनने की कोशिश करें।

वे छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के छिंदनार गांव में स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी मीडियम हाई स्कूल में एक बहु खेल मैदान का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस मैदान को जमीनी स्तर की खेल पहल के तहत विकसित किया गया है जिसका मकसद कभी माओवाद से प्रभावित रहे इस इलाके को एक खेल केंद्र के रूप में बदलना है।

यह जिला प्रशासन की 'मैदान कप' पहल के तहत विकसित किए गए 25 मैदानों में से एक है। इस पहल को सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन और मान देसी फाउंडेशन का समर्थन प्राप्त है और इसका उद्देश्य इस क्षेत्र की संघर्ष-ग्रस्त छवि को मिटाना तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा देना है। पिछले साल शुरू की गई इस पहल का लक्ष्य पूरे जिले में 50 खेल के मैदान बनाना है।

तेंदुलकर जगदलपुर हवाई अड्डे पर पहुंचे और बाद में दंतेवाड़ा के छिंदनार गांव गए। उनके साथ उनकी बेटी सारा और बहू सानिया चंडोक भी मौजूद थीं।

इस महान बल्लेबाज ने बच्चों से कहा कि प्रतिभा भले ही ईश्वर का तोहफा हो लेकिन सफलता व्यक्तिगत प्रयासों पर निर्भर करती है। उन्होंने बच्चों को अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, ''अपने लक्ष्य तक पहुंचने का कोई शॉर्टकट नहीं है। कड़ी मेहनत, अनुशासन और एकाग्रता बेहद जरूरी हैं।''

बुनियादी ढांचे के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भविष्य के चैंपियनों को तैयार करने के लिए मजबूत बुनियादी सुविधाएं बेहद जरूरी हैं। उन्होंने कई खेलों में हिस्सा लेने पर भी जोर दिया और कहा कि इससे रणनीतिक सोच और मानसिक मजबूती विकसित करने में मदद मिलती है।

तेंदुलकर ने कहा कि 'छिपे हुए हीरों' को पहचानने में कोच अहम भूमिका निभाते हैं जबकि अपने भविष्य को संवारने की जिम्मेदारी बच्चों की ही होती है जो वे लगन और दृढ़ता से निभाते हैं।

पटना हवाई अड्डे पर टाइल्स गिरना भाजपा के भ्रष्टाचार का प्रमाण : तेजस्वी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को आरोप लगाया कि पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बाहरी टाइल्स गिरने की घटना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के ''भ्रष्टाचार और लूट'' का प्रमाण है।

बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने यह आरोप घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद लगाया। उन्होंने दावा किया कि नवनिर्मित यात्री टर्मिनल भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्ष 29 मई को चुनाव से पहले जल्दबाजी में किया था, लेकिन कुछ ही महीनों में टर्मिनल परिसर की टाइलें उखड़ने लगीं।

तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया, ''भ्रष्ट भाजपा नेताओं और उनके गिरोह द्वारा की गई कथित लूट का इससे बड़ा प्रमाण क्या हो सकता है? राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के नेता अपने वफादार ठेकेदारों से घटिया काम कराते हैं और फिर जनता के धन का आपस में बंटवारा कर लेते हैं।'' उन्होंने कहा कि यदि यह टाइल्स किसी यात्री या हवाई अड्डा कर्मी पर गिरती, तो गंभीर क्षति हो सकती थी।

इस बीच, हवाई अड्डा प्रशासन ने कहा कि यह टाइल्स आगमन परिसर के एक स्तंभ से गिरी थी और घटना के तुरंत बाद निरीक्षण शुरू कर दिया गया।

हवाई अड्डा प्रशासन ने सोशल मीडिया मंच पर जारी संदेश में कहा, ''यह स्पष्ट किया जाता है कि आगमन परिसर में स्थित एक स्तंभ से बाहरी टाइल्स गिरी थी। तत्काल निरीक्षण और आकलन शुरू कर दिया गया है। साथ ही दोबारा ऐसी घटना न हो, इसके लिए पूरे टर्मिनल में एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं।'' प्रशासन ने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और हवाई अड्डे पर सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

सुविचार

बेहतर से बेहतर की तलाश करो, मिल जाए नदी तो समंदर की तलाश करो, टूट जाता है शीशा पत्थर की चोट से, टूट जाए पत्थर ऐसा शीशा तलाश करो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ क्यों?

परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाएं जांचना बहुत जिम्मेदारी का काम होता है। अगर कोई शिक्षक इसमें लापरवाही बरतता है तो वह कई छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करता है। कुछ शिक्षक अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से नहीं निभा रहे हैं। उनकी हरकतें सोशल मीडिया पर वायरल भी हो रही हैं। महाराष्ट्र में एक शिक्षक ढाबे पर नशा करते हुए उत्तर पुस्तिकाएं जांचता पाया गया, जिसके खिलाफ कार्रवाई की गई है। किसी ने उसका वीडियो बना लिया था, इसलिए उसकी हरकत का पर्दाफाश हो गया। सोचिए, अगर उसका वीडियो सामने नहीं आता तो वह नशे में डूबकर कितने बच्चों के साथ अन्याय करता? शिक्षक का आचरण हमेशा आदर्श होना चाहिए। उसे देखकर छात्रों और समाज के अन्य लोगों को प्रेरणा मिलनी चाहिए। दुर्भाग्य से, आज कुछ शिक्षक अपने पेशे की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। अगर कोई शिक्षक नशाखोरी में डूबा हुआ है तो वह अपने छात्रों को क्या शिक्षा देगा? उसके शब्दों में सत्य का कितना बल होगा? उसे शिक्षक बनने के बजाय कुछ और बनना चाहिए। ऐसे शिक्षक उन शिक्षकों की प्रतिष्ठा को धूमिल कर रहे हैं, जो सत्यनिष्ठा से अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। हाल के वर्षों में उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के काम में लापरवाही बरतने के भी कई मामले सामने आए हैं। कश्मीर विश्वविद्यालय में किसी छात्र को एक विषय में बहुत कम अंक दिए गए थे। जब उसने उत्तर पुस्तिका देखी तो पता चला कि उसका मूल्यांकन सही नहीं किया गया था। उस छात्र ने उच्च न्यायालय का द्वार खटखटाया तो उसे मुआवजा मिला। यह घोर लापरवाही का मामला था।

ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जब किसी शिक्षक ने उत्तर पुस्तिकाएं लेकर अपने बच्चों, पड़ोसियों और रिश्तेदारों को दे दीं। जब किसी प्रतिभाशाली छात्र की उत्तर पुस्तिका ऐसे लोगों के हाथ लगी होगी तो उन्होंने कितनी गंभीरता से अंक दिए होंगे? ये लोग हर साल अनेक छात्रों की मेहनत पर पानी फेरते हैं। एआई के दौर में उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के तौर-तरीके बदलने की जरूरत है। इसका यह मतलब नहीं कि मूल्यांकन में शिक्षकों की कोई भूमिका नहीं होगी। एआई को उनका सहायक बनाना चाहिए। जो बोर्ड परीक्षा आयोजित करे, उसे उत्तर पुस्तिकाओं की जांच के लिए एक एआई टूल विकसित करना चाहिए। इसके बाद हर उत्तर पुस्तिका उस पर अपलोड कर दी जाए। एआई टूल हर जवाब को पढ़े और शिक्षक को सलाह दे कि उसके लिए इतने अंक दिए जा सकते हैं। शिक्षक की अनुमति के बाद सारे अंक जोड़े जाएं। इससे उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के काम में पारदर्शिता आएगी। शिक्षकों पर दबाव कम होगा। अंक जोड़ने में गलती की आशंका न के बराबर होगी। हर उत्तर पुस्तिका का रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। कोई विवाद होने पर स्थिति जल्दी स्पष्ट होगी। जांच प्रक्रिया की विश्वसनीयता में वृद्धि होगी। यह पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी निगरानी में होनी चाहिए। वहीं, शिक्षक द्वारा की गई लापरवाही को गंभीरता से लेना चाहिए। पुनर्गणना या पुनर्मूल्यांकन के लिए आने वाले आवेदनों का विश्लेषण एआई से कराया जाए। अगर एक ही शिक्षक द्वारा जांची गई कई उत्तर पुस्तिकाओं के लिए आवेदन आएं तो विशेष जांच होनी चाहिए। अगर कोई छात्र अन्य विषयों में बहुत अच्छे अंक प्राप्त करे, लेकिन एक या दो विषयों में बहुत कम अंक आएं तो उन उत्तर पुस्तिकाओं की विशेष जांच होनी चाहिए। आचरण में अनैतिकता का प्रदर्शन करने वाले और उत्तर पुस्तिकाएं जांचने के काम में लापरवाही बरतने वाले शिक्षकों को सेवाओं से हटा देना चाहिए। इससे कई छात्रों का भला हो जाएगा।

ट्वीटर टॉक

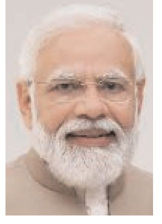

आज देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र धरती पर श्री केदारनाथ धाम के कपाट पूरे विधि-विधान के साथ हम सभी भक्तों के लिए खोल दिए गए हैं।केदारनाथ धाम और चारधाम की यह यात्रा हमारी आस्था, एकता और समृद्ध परंपराओं का एक दिव्य उत्सव है।

-नरेन्द्र मोदी

इतिहास गवाह है कि जब भी देश में बड़े सुधारों और महिलाओं को उनके हक दिलाने की बात आई, कांग्रेस ने हमेशा देशहित से ऊपर राजनीति को रखा है।ङ्ङ17 अप्रैल, 2026 भारतीय लोकतंत्र के लिए एक काला अध्याय साबित हुआ।

-भजनलाल शर्मा

पहलगाम (जम्मू और कश्मीर) में हुए भयानक आतंकवादी हमले में मारे गए बेगुनाह लोगों को मैं श्रद्धांजलि देती हूँ। उस बेरहम घटना ने पूरे देश की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया था।ङ्ङदुखी परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएँ।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

स्त्री हितों के पैरोकार

डॉ. अंबेडकर देश के पहले कानून मंत्री थे। उन्होंने महसूस किया कि स्वतंत्रता के बाद भी महिलाओं को संपत्ति, विवाह, शिक्षा के मामलों में कोई स्वतंत्रता नहीं है। उन्होंने बहुत सोच-विचार कर 'हिंदू कोड बिल' तैयार किया। इस बिल में प्रावधान था कि बेटियों को पिता की संपत्ति में समान अधिकार हो, महिलाओं को तलाक का कानूनी अधिकार मिले एवं बहुविवाह समाप्त होकर एक पत्नी नियम लागू हो। उन्होंने जब इस बिल को संसद में प्रस्तुत किया तो अनेक कट्टरपंथियों ने इसका जमकर विरोध किया। विरोधियों का कहना था कि यह बिल भारतीय संस्कृति को नष्ट कर देगा। डॉ. अंबेडकर लगभग चार सालों तक बिल को पारित कराने के लिए प्रयास करते रहे। जब उन्होंने देखा कि बिल को जबरदस्ती लटकाया जा रहा है तो उन्होंने सब को चौंकाते हुए वर्ष 1951 में कानून मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा कि, 'मैं अपने पद पर बने रहने के बजाय महिलाओं के अधिकारों के लिए लड़ना और इस्तीफा देना बेहतर समझता हूं।' आखिर उनकी मेहनत रंग लाई। बाद में उनके सिद्धातों पर गौर कर हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम और हिंदू विवाह अधिनियम जैसे कानून बने।

सामयिक

किताबों की बेशकीमती ताकत को पहचानें

डॉ. प्रितम भि. गेडाम
मोबाइल : 082374 17041

आज के इंटरनेट के जमाने में पुस्तकों का स्वरूप डिजिटल हुआ है, एक क्लिक पर पुस्तकें हमें सहज उपलब्ध हो जाती है, अर्थात पुस्तकों तक सहज पहुंच होने के बावजूद आज पाठ्य संस्कृति कमजोर होती नजर आती हैं। देश गुणवत्ताहीन डिग्रीधारी युवाओं को बनाने की फैक्ट्री बन गया है, जो साल दर साल बेरोजगारी की बाढ़ लाता हैं। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया की गिरफ्त में फंसती जा रही है, पढाई के नाम पर किताबों के बजाय शॉर्टकट नोट्स पर आधारित रहना पसंद करते हैं।

वर्ष 1995 से हर साल यूनेस्को 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस मनाता है, 100 से ज़्यादा देशों में पढ़ने, प्रकाशन और प्रकाशनाधिकार को बढ़ावा देता है। यह विशेष दिवस हमें पुस्तकों के करीब जाकर उसकी महत्ता को जीवन में उतारने के लक्ष्य को साधने के लिए प्रेरित करता हैं। इस साल 2026 के लिए विश्व पुस्तक दिवस की थीम, अपनी शैलीनुसार पढ़ें यह है, जो पढ़ने के शौक को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। यह शैली दर्शाती है कि, जिस प्रकार के भी साहित्य में रूचि हो, वह पढ़ें, पढ़ने की आदत डालें। पुस्तकें जीवन का प्रतिबिंब होती है, सच और सत्य के मार्ग पर चलने के लिए पुस्तकें प्रेरित करती हैं। दुनिया भर के महानतम व्यक्ति अपनी खास उपलब्धि के लिए प्रसिद्ध हुए। पैसा, शोहरत, नाम, काम और व्यस्तता के बावजूद और हर मिनट के लाखों रुपये कमानेवाले उद्योगपति, खेल जगत के खिलाडी, नेता और फिल्मी नायक भी पुस्तकें पढ़ने के लिए रोजाना अपना कीमती समय थोड़ा ही सही लेकिन निकालते जरूर हैं।

क्या हम कभी पुस्तकें खरीदने के लिए आर्थिक समस्या से जूझने पर अपना एक वक्त का भोजन छोड़कर उससे पैसे बचाकर पुस्तकें खरीदने की कोशिश की हैं। विश्व में ज्ञान का प्रतिक कहलानेवाले भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर ने अपने तंगी के दिनों में पुस्तकें खरीदने के लिए एक वक्त का भोजन तक त्याग दिया था, ताकि ज्ञानरूपी पुस्तकों का तेज आत्मसात कर सकें, ये होता है किताब के प्रति जूनून और किताब की महत्ता की समझ। अधिकतर बड़े-बड़े लोग अक्सर अपने घर में ही पुस्तकों का संग्रह बना लेते है, अर्थात निजी पुस्तकालय के तौर पर। पुस्तकों से बेहतर दुनिया में कोई साथी नहीं होता, पुस्तकें हमेशा हमें योग्य दिशा में चलने के लिए पथ प्रदर्शित करते है, पुस्तकें हमारे खाली समय को ज्ञान से सींचते है, बुद्धि को तिष्ण, जागरूक, समझदार बनाकर सत्य और असत्य के बिच अंतर करना सिखाते हैं। हम पुस्तकों और शिक्षा के बल पर दुनियाभर में हर क्षेत्र में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर सकते हैं।

विश्व पुस्तक दिवस पढ़ने, किताबें, प्रकाशन, लेखक सम्मान और प्रतिलिप्यधिकार जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता हैं। आधुनिक ज़िंदगी में किताबों की अहमियत आज भी अद्वितीय हैं। किताबें हमें सिखाती हैं, प्रेरित करती हैं, मनोरंजन करती हैं और अलग-अलग भाषाओं, संस्कृतियों और पीढ़ियों से जोड़ती हैं। किताबों को सभी उम्र के लोगों के लिए ज़्यादा आसान बनाना, विश्व पुस्तक व कॉपीराइट दिवस का उद्देश्य पढ़ने की आदत को प्रोत्साहन देना, प्रकाशन व साहित्य संस्कृति को आगे बढ़ाना, बौद्धिक संपदा के प्रति जागरूकता निर्माण करना, साथ ही समाज के प्रत्येक पाठक के लिए पुस्तकों तक सहज उपलब्धता लाना मुख्य उद्देश्य हैं। पुस्तकें कल्पना और सर्जनशीलता विकसित कर भाषा और संवाद कौशल बेहतर बनाती है, संस्कृति और इतिहास का जतन करके अलग-अलग पीढ़ियों के पाठकों को आपस में जोड़ती है, साथ ही शिक्षा और ज़िंदगी भर सीखने में मदद करती हैं। नियमित पाठन से शब्दसंग्रह, एकाग्रता, आत्मविश्वास और विचारशक्ती कौशल बेहतर होती हैं।

आज विश्व किताब दिवस किताबों की खुशी और ताकत का जश्न मनाने का एक शानदार मौका हैं। पसंदीदा एक नई किताब पढ़कर, पुस्तकालयों को भेट देकर, दोस्तों रिश्तेदारों या परिचितों से किताबों का आदान-प्रदान करके अथवा किसी में पढ़ने की ललक जगाकर यह दिन मनाया जाना चाहिए। अपनी पसंदीदा पुस्तकों के बारे में अन्य लोगों या मित्रों से विचार-विमर्श करना चाहिए, हमें यह पुस्तक क्यों पसंद है एवं अन्य पाठकों को भी यह पुस्तक क्यों पढ़नी चाहिए इसका स्पष्टीकरण देना चाहिए, ताकि अन्य लोग भी प्रेरित होकर वह पुस्तक पढ़ने के लिए उत्सुक हों। अच्छी किताबों को हमेशा प्रोत्साहन मिलना चाहिए, ताकि योग्य किताबें पाठकों तक आसानी से पहुंच सकें, जो मनुष्य किताबों से दोस्ती करता है, उसे सफलता के मार्ग पर अग्रसर होने से कभी कोई रोक नहीं सकता, किताबों में समस्या का समाधान छुपा होता हैं। किताबें कभी कोई शिकायत नहीं करती, वें बस निरंतर ज्ञान की गंगा बहाते चलती हैं। जिसने उसे अपनाया जो सवर गया, जिसने किताबों की महत्ता नहीं समझी वो पिछड़ गया।

आज के इंटरनेट के जमाने में पुस्तकों का स्वरूप डिजिटल हुआ है, एक क्लिक पर पुस्तकें हमें सहज उपलब्ध हो जाती है, अर्थात पुस्तकों तक सहज पहुंच होने के बावजूद आज पाठ्य संस्कृति कमजोर होती नजर आती हैं। देश गुणवत्ताहीन डिग्रीधारी युवाओं को बनाने की फैक्ट्री बन गया है, जो साल दर साल बेरोजगारी की बाढ़ लाता हैं। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया की गिरफ्त में फंसती जा रही है, पढाई के नाम पर किताबों के बजाय शॉर्टकट नोटस पर आधारित रहना पसंद करते हैं। लेकिन ये शॉर्टकट नोट्स विद्यार्थियों को केवल कुछ सवालों के मर्यादित जवाब प्रदान करते है और सिर्फ नाममात्र की पदवी प्राप्त करने में सहयोगी है, परंतु विषय के गहन ज्ञान की बात करे या जीवन के हर पड़ाव पर उस ज्ञान के महत्ता पर बात करे तो यही विद्यार्थी फिसड्डी साबित होते है, क्योंकि युवाओं ने गहन ज्ञान रूपी किताबों की महत्ता को न समझा, न पढ़ा कभी। ऐसे माहौल में जब जीवन की परिस्थितियां असंगत या मुश्किलों का दौर आता है तो मनुष्य डगमगाता है, समस्याओं को आसानी से हल करने के बजाय उससे भागता है, जिसके कारण हताशा, आत्महत्या, अपराध और नशाखोरी की समस्याओं का तेजी से जन्म होता है और जीवन में समस्याओं का अंबार लग जाता हैं। किताबें हर मुश्किल में साथ निभाते है, जिसने इन्हें जान लिया वें फिर किसी समस्या में फसते नहीं है क्योंकि सफलता उनके कदम चूमती हैं। सबसे पहले किताबें पढ़ने की आदत डालें, समय का सदुपयोग करें, ज्ञानी और जागरूक बने एवं जीवनभर किताबों से दोस्ती निभाओं, फिर किताबें हमेशा हमारा साथ निभाएंगे। यह एक सुखी, संतुष्ट और सफल जीवन जीने का बहुत आसान तरीका हैं।

विशेष

अक्षय पुण्य का पर्व है गंगा जयंती

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

गंगा सप्तमी भारतीय संस्कृति और आस्था का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है, जो वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। यह दिन माँ गंगा के पुनः प्रकट होने का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि इसी दिन गंगा जी का पृथ्वी पर पुनः अवतरण हुआ था, इसलिए इसे गंगा जयंती के रूप में भी जाना जाता है। गंगा केवल एक नदी नहीं है, बल्कि भारतीय जनमानस की आत्मा, श्रद्धा और जीवन का आधार है। सदियों से यह नदी करोड़ों लोगों के जीवन को पोषित करती आई है और आध्यात्मिक दृष्टि से भी इसका महत्व अतुलनीय है।

पौराणिक कथाओं के अनुसार गंगा का संबंध राजा भगीरथ की कठोर तपस्या से जुड़ा हुआ है। कहा जाता है कि उनके पूर्वजों का उद्धार तभी संभव था जब गंगा पृथ्वी पर आकर उनके अस्थि अवशेषों को स्पर्श करे। इसके लिए भगीरथ ने वर्षों तक तपस्या की, जिसके फलस्वरूप गंगा का अवतरण हुआ। किंतु गंगा की तीव्र धारा को पृथ्वी सहन नहीं कर सकती थी, इसलिए भगवान शिव ने उसे अपनी जटाओं में धारण किया और धीरे धीरे पृथ्वी पर प्रवाहित किया। यह कथा केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं है, बल्कि यह मानव के धैर्य, तप और संकल्प का भी उदाहरण प्रस्तुत करती है।

गंगा सप्तमी का धार्मिक महत्व अत्यंत गहरा है। इस दिन गंगा स्नान करने से सभी पापों से मुक्ति मिलने की मान्यता है। लोग प्रातःकाल उठकर पवित्र नदी में स्नान करते हैं, सूर्य को अर्घ्य देते हैं और गंगा माता की पूजा करते हैं। विशेष रूप से उत्तर भारत में इस दिन गंगा के तटों पर भारी भीड़ उमड़ती है। वाराणसी, हरिद्वार, प्रयागराज और गंगासागर जैसे तीर्थ स्थलों पर लाखों श्रद्धालु एकत्र होकर स्नान और पूजा करते हैं। यह दृश्य भारतीय संस्कृति की एकता और आस्था की गहराई को दर्शाता है।

गंगा सप्तमी केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व भी है। यह पर्व हमें जल के महत्व का स्मरण कराता है। गंगा भारत की सबसे महत्वपूर्ण नदियों में से एक है, जो लगभग 2525 किलोमीटर की लंबाई में बहती है और करोड़ों लोगों को जल उपलब्ध कराती है। यह नदी कृषि, उद्योग और घरेलू उपयोग के लिए जल का प्रमुख स्रोत है। इसके बिना भारत के विशाल भूभाग की कल्पना भी नहीं की जा सकती। गंगा के किनारे बसे शहर और गाँव सदियों से इसकी कृपा पर निर्भर रहे हैं। यह नदी केवल जीवन ही नहीं देती, बल्कि सभ्यता का निर्माण भी करती है। प्राचीन काल से लेकर आज तक गंगा के तटों पर अनेक महत्वपूर्ण नगर विकसित हुए हैं। यहाँ शिक्षा, व्यापार और संस्कृति का विकास हुआ। इस प्रकार गंगा भारतीय सभ्यता की धुरी रही है।

गंगा सप्तमी के अवसर पर लोग दान और पुण्य कार्य भी करते हैं। इस दिन अन्न, वस्त्र और धन का दान विशेष फलदायी माना जाता है। लोग जरूरतमंदों की सहायता करते हैं और समाज में प्रेम और सहयोग की भावना को बढ़ावा देते हैं। यह पर्व हमें यह सिखाता है कि केवल पूजा करना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमें अपने आसपास के लोगों के प्रति भी संवेदनशील होना चाहिए। आज के समय में गंगा की स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। बढ़ते प्रदूषण, औद्योगिक कचरे और प्लास्टिक के कारण इसका जल दूषित हो रहा है। यह स्थिति केवल पर्यावरण के लिए ही नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए भी खतरा है। गंगा सप्तमी हमें यह सोचने पर मजबूर करती है कि हम अपनी इस पवित्र नदी को कैसे बचा सकते हैं। सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन जब तक आम जनता इसमें भागीदारी नहीं करेगी, तब तक स्थिति में सुधार संभव नहीं है। गंगा को स्वच्छ और निर्मल बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। हमें यह समझना होगा कि यह केवल एक धार्मिक प्रतीक नहीं है, बल्कि यह हमारे अस्तित्व का आधार है। यदि गंगा प्रदूषित होगी, तो इसका प्रभाव हमारे स्वास्थ्य, कृषि और पर्यावरण पर पड़ेगा।

गंगा सप्तमी का महत्व समय के साथ और भी बढ़ता जा रहा है। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, तब इस तरह के पर्व हमें जागरूक करने का कार्य करते हैं। यह केवल धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक आंदोलन भी बन सकता है, यदि हम सभी मिलकर इसके संदेश को समझें और अपनाएं। अंततः गंगा सप्तमी हमें यह सिखाती है कि आस्था और जिम्मेदारी दोनों का संतुलन आवश्यक है। केवल गंगा को माता मान लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि हमें उनकी रक्षा भी करनी चाहिए। यदि हम इस पर्व के वास्तविक संदेश को समझें, तो हम न केवल अपनी संस्कृति को बचा सकते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर भविष्य भी सुनिश्चित कर सकते हैं। गंगा की निर्मल धारा की तरह ही हमारे जीवन में भी शुद्धता, प्रेम और करुणा का प्रवाह बना रहे, यही इस पावन पर्व का सच्चा उद्देश्य है।

नजरिया

कृत्रिम शब्दों के बीच असली साहित्य की तलाश

डॉ. सुनील जैन 'संचय'

चमकदार भाषा देखकर लोग मुग्ध हो सकते हैं, पर भाषा की चमक और विचार की गहराई एक नहीं होती। बाज़ार को त्वरित सामग्री चाहिए; साहित्य को धैर्यवान सृजन। बाज़ार गति से चलता है, कला गहराई से। जब गति ही मूल्य बन जाए, तब गंभीरता उपेक्षित हो जाती है। युवा लेखकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे सुविधा और साधना के बीच संतुलन बनाएँ। तकनीक का प्रयोग करें, पर अपनी ष्टि को किराए पर न दें।

समय ने लेखनी के सामने एक नया प्रश्न खड़ा कर दिया है। कभी लेखक के हाथ में केवल कागज़, कलम और कल्पना होती थी; आज उसके सामने स्क्रीन है, एल्गोरिद्म है, और कुछ क्षणों में तैयार हो जाने वाला शब्द-संसार है। मशीनें अब वाक्य गढ़ रही हैं, कथानक रच रही हैं, कविताएँ बना रही हैं और शोधपत्रों का प्रारूप तैयार कर रही हैं। ऐसे में स्वाभाविक है कि समाज पूछे-जो पुस्तक हमारे हाथ में है, क्या वह मनुष्य की आत्मा से निकली है या किसी मशीन की गणना से? यह प्रश्न केवल तकनीक का नहीं, सृजन के स्वभाव का है। शब्द लिख देना और साहित्य रच देना, दोनों अलग अवस्थाएँ हैं। भाषा का ढाँचा बनाना सरल है, पर अनुभव की अग्नि से उसे तपाना कठिन। मशीन शब्दों को क्रम देती है, मनुष्य उन्हें अर्थ देता है। कृत्रिम बुद्धि वाक्य बना सकती है, पर पीड़ा की वह कंपन कहाँ से लाएगी जो किसी माँ की प्रतीक्षा में होती है? वह प्रेम की वह नमी कहाँ से पाएगी जो किसी बिछुड़े मित्र के पत्र में उतरती है?

आज अनेक लेखक सुविधा के कारण तकनीक का सहारा ले रहे हैं। कोई प्रारूप बनवाता है, कोई शीर्षक गढ़वाता है, कोई शैली सुधारता है, तो कोई पूरा लेख तैयार करवा लेता है। सुविधा में दोष नहीं, पर संकट तब आरंभ होता है जब साधन स्वयं साध्य बन जाए। यदि लेखक सोचने की श्रमसाध्य प्रक्रिया छोड़ दे, यदि वह अनुभूति के स्थान पर त्वरित उत्तरों पर निर्भर हो जाए, तब साहित्य का रक्तचाप धीमा पड़ने लगता है। रचना केवल जानकारी का संग्रह नहीं होती। वह मनुष्य के भीतर घटित घटनाओं का दस्तावेज़ होती है। जब कोई कवि लिखता है, तो उसके शब्दों में उसके समय की धूल, संघर्ष का ताप, हार की करुणा और आशा की रोशनी साथ चलती है। मशीन के पास स्मृति है, पर स्मरण नहीं; डेटा है, पर जीवन नहीं; भाषा है, पर मौन का अर्थ नहीं।

यह भी सत्य है कि तकनीक शत्रु नहीं है। हर युग ने अपने उपकरण बनाए हैं। छापाखाना आया तो लोगों ने कहा था कि हस्तलिखित ग्रंथों का युग समाप्त हो जाएगा। टाइपराइटर आया, कंप्यूटर आया, इंटरनेट आया-और हर बार मनुष्य ने साधन को अपनाकर उसे उपयोगी बनाया। कृत्रिम बुद्धि भी वैसी ही शक्ति है, यदि वह लेखक की सहयोगी बने, स्वामिनी नहीं। वह शोध में सहायक हो सकती है, तथ्य जुटा सकती है, भाषा सँवार सकती है, पर अंतःकरण की जगह नहीं ले सकती। सबसे बड़ा खतरा वहाँ है जहाँ पाठक और प्रकाशक केवल परिणाम देखते हैं, प्रक्रिया नहीं। चमकदार भाषा देखकर लोग मुग्ध हो सकते हैं, पर भाषा की चमक और विचार की गहराई एक नहीं होती। बाज़ार को त्वरित सामग्री चाहिए; साहित्य को धैर्यवान सृजन। बाज़ार गति से चलता है, कला गहराई से। जब गति ही मूल्य बन जाए, तब गंभीरता उपेक्षित हो जाती है। युवा लेखकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वे सुविधा और साधना के बीच संतुलन बनाएँ। तकनीक का प्रयोग करें, पर अपनी दृष्टि को किराए पर न दें। भाषा उधार ली जा सकती है, पर संवेदना नहीं। शैली सिखाई जा सकती है, पर सत्यनिष्ठा नहीं। शब्दों की सजावट मिल सकती है, पर आत्मा की आहट भीतर से ही आती है। स्याही की धीमी गंध अभी समाप्त नहीं हुई है। स्क्रीन की उजली रोशनी के बीच भी मनुष्य का हृदय अपनी भाषा खोज लेता है। मशीनें पंक्तियाँ लिख सकती हैं, पर इतिहास अब भी उन्हीं को याद रखता है जिनकी रचनाओं में मनुष्य साँस लेता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

‘डिजिटल उपवास’ रखकर उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता को जिए श्रद्धालु : मोदी

देहरादून/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को श्रद्धालुओं से चारधाम यात्रा के दौरान ‘डिजिटल उपवास’ रखकर उत्तराखंड के प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने का आह्वान करते हुए उनसे पांच संकल्पों का भी पालन करने का आग्रह किया है।

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित भगवान शिव के धाम केदारनाथ के कपाट खुलने के मौके पर सोशल मीडिया पर अपने एक शुभकामना संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि केदारनाथ सहित चारधाम की यह यात्रा हमारी आस्था, एकता और समृद्ध परंपराओं का दिव्य उत्सव है। उन्होंने कहा, '' इन यात्राओं से हमें भारत की सनातन संस्कृति के दर्शन भी होते हैं।''

मोदी ने सभी श्रद्धालुओं की मंगलमय यात्रा की कामना करते हुए उनके लिए एक पत्र भी पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने कहा है कि उत्तराखंड में पिछले कुछ वर्षों में चल रहे विकास के महायज्ञ से चारधाम यात्रा बहुत सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक हुई है लेकिन इन कामों में प्रदेश के प्राकृतिक सौंदर्य का पूरा ध्यान रखने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा, '' मैं उत्तराखंड आने वाले हर अतिथि से भी कहूंगा कि वे इस नए अनुभव का आनंद जरूर लें। सभी यात्रीगण अपनी यात्रा के दौरान डिजिटल उपवास रखने और उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता को जीने का प्रयास भी करें। इससे आपको एक अलग संतुष्टि भी मिलेगी।''

पत्र में प्रधानमंत्री ने प्रदेश में आने वाले श्रद्धालुओं से पांच संकल्पों का पालन करने का आग्रह भी किया है, जिसमें उन्होंने ''स्वच्छता सर्वोपरि'' को पहला संकल्प बताते हुए उनसे धाम और नदियों के आसपास सफाई रखने तथा एकल इस्तेमाल प्लास्टिक का उपयोग न करने को कहा है।

दूसरे संकल्प में मोदी ने तीर्थयात्रियों से हिमालयी धरा में प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील रहने तथा ‘एक पेड़ मां के नाम’ जैसे प्रयासों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आग्रह किया।

तीर्थयात्राओं को पुरातन काल से सेवा और सामाजिक समरसता स्थापित करने का माध्यम बताते हुए प्रधानमंत्री ने तीसरे संकल्प के रूप में श्रद्धालुओं से अपनी यात्रा के प्रत्येक दिन, किसी न किसी रूप में, लोगों की सेवा करने का आग्रह किया है।

चौथे संकल्प में प्रधानमंत्री ने श्रद्धालुओं से अपने मूल स्थान से चलकर घर लौटने तक अपने कुल खर्च का पांच प्रतिशत हिस्सा स्थानीय उत्पादों को खरीदने पर जरूर खर्च करने और ‘वोकल फॉर लोकल’ को बढ़ावा देने को कहा है। उन्होंने पांचवें संकल्प के रूप में श्रद्धालुओं से यात्रा के दौरान अनुशासन, सुरक्षा और मर्यादा का पालन करने का आग्रह करते हुए क्रिएटर्स, इंफ्लूएंसर्स से प्रदेश की स्थानीय कहानियों और यहां की छोटी-छोटी परंपराओं को भी जन-जन तक पहुंचाने की अपील की है।

गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट 19 अप्रैल को खुल चुके हैं जबकि बदरीनाथ धाम के कपाट बृहस्पतिवार को खुलेंगे।

श्रद्धांजलि

भारतीय जनता पार्टी के नेता और कार्यकर्ता बुधवार को श्रीनगर में पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए।

सामने आने वाले हर अवसर में से हमेशा बेहतर विकल्प चुनने की कोशिश की: कृतिका कामरा

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेत्री कृतिका कामरा का कहना है कि कलाकार कभी भी किसी फैसले को लेने वाले एकमात्र निर्णायक नहीं होते। कामरा ने कहा कि और उन्हें खुशी है कि उनके किरदारों के चुनावों ने ऐसी छवि बनाई है कि लोग अब उन्हें प्रभावहीन भूमिकाओं के लिए नहीं चुनते। उन्होंने कहा कि मैने हमेशा अपने सामने आने वाले हर अवसर में से बेहतर विकल्प चुनने की कोशिश की है। कामरा ने बेहद लोकप्रिय सीरियल 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' में एक ऐसी परेशान बेटी की भूमिका के लिए खूब प्रशंसा बटोरी, जो एक ही दिन में समयसीमा के भीतर काम को पूरा करने के साथ-साथ पारिवारिक संकट से भी जूझ रही थी। अब वह फिल्म निर्माता नागराज मंजुले की फिल्म 'द मटका किंग' में विजय वर्मा के साथ एक अमीर पारसी विधवा की भूमिका निभा रही हैं।

कामरा और वर्मा दोनों ही पूर्णतः बाहरी पृष्ठभूमि वाले कलाकार हैं और उन्होंने बिना किसी पारिवारिक या फिल्मी समर्थन के अपने दम पर पहचान बनाई है। कामरा ने कहा कि वह अपने करियर की प्रगति से खुश हैं, हालांकि वह चाहती हैं कि अधिकांश बार वह अपने मुताबिक फैसले ले सके। कामरा ने पीटीआई-भाषा को दिए एक साक्षात्कार में बताया, उन्होंने (विजय ने) हाल ही में कहा कि वह अपनी 'फिल्मोग्राफी' को सोच-समझकर आकार देने की कोशिश कर रहे हैं। मैं इससे खुद को जोड़ पाती हूं क्योंकि मैं भी ऐसा ही कर रही हूं।

हम दोनों मानते हैं कि हर अनुभव का कुल योग अंत में सार्थक साबित होगा। और मेरे करियर में, कम से कम टेलीविजन के दिनों के बाद से, कभी कोई रातोंरात मिली सफलता या एक निर्णायक मोड़ नहीं रहा। छोटे-छोटे कदमों और कई भूमिकाओं ने मिलकर अब मेरी एक खास छवि बनाई है। उत्तर प्रदेश के बरेली में जन्मी कामरा ने अपने शुरुआती साल मध्य प्रदेश और दिल्ली में बिताए, फिर एक टीवी शो में काम मिलने के बाद मुंबई आ गईं। उन्होंने कितनी मोहब्बत है और उसके 'सीक्वल', और कुछ तो लोग कहेंगे से लोकप्रियता हासिल की। कामरा ने कहा कि उन्होंने हमेशा अपने सामने आने वाले हर अवसर में से बेहतर विकल्प चुनने की कोशिश की है।

उद्घाटन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बुधवार को नई दिल्ली के शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में वाटर एटीएम के उद्घाटन के मौके पर।

सुरक्षा परिषद में वास्तव में सुधार की जरूरत, इसके लिए प्रयास करेंगे : यूएनएसजी उम्मीदवार बाचेलेत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की उम्मीदवार मिशेल बाचेलेत ने कहा है कि सुरक्षा परिषद में वास्तव में सुधार और स्थायी तथा अस्थायी दोनों श्रेणियों में अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है और इसे प्राप्त करने की दिशा में वह काम करेंगी।

चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बाचेलेत संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद के चार उम्मीदवारों में से एक हैं।

वर्तमान संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस 31 दिसंबर को अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने लगातार पांच वर्ष के दो कार्यकाल में दुनिया के शीर्ष राजनयिक के रूप में सेवाएं दी हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधारों और भारत जैसे विकासशील देशों की स्थायी सदस्य के रूप में इस शक्तिशाली मंच पर मौजूदगी के संबंध में पूछे गए ‘पीटीआई’ के एक प्रश्न के उत्तर में बाचेलेट ने मंगलवार को यहां कहा, मुझे लगता है कि सुरक्षा परिषद में सुधार की वास्तव में आवश्यकता है।

भारत वर्षों से सुरक्षा परिषद में सुधारों की मांग करने में अग्रणी रहा है, जिसमें इसके स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों का विस्तार शामिल है। भारत का कहना है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की परिषद 21वीं सदी के लिए उपयुक्त नहीं है और समकालीन भू-राजनीतिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती है।

बाचेलेत ने कहा कि सुरक्षा परिषद में सुधार का निर्णय संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों को लेना है। उन्होंने 2024 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाए गए भविष्य के समझौते का जिक्र करते हुए कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि एक अवसर है।'' संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त रह चुकीं बाचेलेट ने कहा कि जब दुनिया भर के लोग संयुक्त राष्ट्र को देखते हैं, तो वे सुरक्षा परिषद को देखते हैं, वे एक ऐसे निकाय को देखते हैं जो समस्या का समाधान नहीं कर रहा है, जो पंगु है, और ऐसे मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है जिसमें ''लाखों लोग पीड़ित हैं।'' मंगलवार को यहां तीन घंटे चले संवाद सत्र में बाचेलेत से सदस्य देशों और सिविल सोसायटी ने अगले महासचिव पद को लेकर उनकी सोच के बारे में तथा यह पूछा कि वह इस पद के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार क्यों हैं।

प्रदर्शन

भारतीय जनता युवा मोर्चा के सदस्यों ने बुधवार को गाजियाबाद के घंटा घर पर नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विपक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

अनीत पड्डा के दादा के निधन से टूटीं अभिनेत्री

मुंबई/एजेन्सी

यश राज फिल्म्स की फिल्म 'सैयारा' से अपना डेब्यू करने वाली अनीत पड्डा एक बार फिर निर्देशक मोहित सूरी की अपकमिंग फिल्म ‘सतरंगा’ में अहान पांडे के साथ दिखने वाली हैं, लेकिन इसी बीच अभिनेत्री पर दुखों का पहाड़ टूट चुका है क्योंकि जीवन के सबसे प्यारे इंसान ने उन्हें अलविदा कह दिया है। अनीत पड्डा ने सोशल मीडिया के जरिए अपने दादा जी के निधन की जानकारी दी है, जो काफी समय से अल्जाइमर रोग से जूझ रहे थे। अभिनेत्री ने अपने दादा के हाथ की फोटो शेयर की है और अपने इमोशन को शब्दों के जरिए जाहिर किया। उन्होंने लिखा, मेरे जीवन का एकमात्र प्यार। आप मुझसे दूर जा रहे थे, लेकिन मक्खन (अनीत का निकनेम) को नहीं भूले। आपने प्यार को थामे रखा, भले ही आप यादों को थामे नहीं रख सके। मैं दोनों को थामे रहूंगी। मैं हमारे साथ बिताए सभी पलों को संजोकर रखूंगी। मैं एक अच्छा इंसान बनूंगी। मैं आपके चुटकुले याद रखूंगी और जब भी मौका मिलेगा उन्हें दोहराऊंगी। मैं आपकी दयालुता और आपकी रोशनी को हर अंधेरे कमरे में ले जाऊंगी। मैं आपकी कहानियां याद रखूंगी और दुनिया को सुनाऊंगी। मैं आपके प्यार को थामे रहूंगी। आपने मुझे सबसे शुद्ध और सबसे निशर्त प्यार करना सिखाया।

अनीत पड्डा ने लिखा, आज मैंने आकाश में सबसे चमकीला तारा देखा और मैं जान गई कि आप कहां गए। मैं आपसे प्यार करती हूं दादाजी और हमेशा अपनी सीमाओं से परे करती रहूंगी।

अभिनेत्री के पोस्ट से साफ है कि वे अपने दादाजी के साथ कितना लगाव रखती थीं। बता दें कि सैयारा रिलीज के समय भी अभिनेत्री के दादाजी की तबीयत खराब होने के वजह से थिएटर नहीं आ पाए थे, लेकिन फोन में कुछ वीडियो को देखकर उन्होंने अनीत को पहचान लिया था और चेहरे पर बड़ी स्माइल आ गई थी। यह पल अभिनेत्री के लिए बहुत खास रहा था।

फिल्म रिलीज के बाद अभिनेत्री ने खुलासा किया था कि अल्जाइमर की वजह से दादाजी को उनका नाम भी याद नहीं रहता और वे उन्हें 'हीरापुत या मक्खन' कहकर बुलाते थे। गौर करने वाली बात यह भी है कि फिल्म सैयारा में अभिनेत्री ने अल्जाइमर से पीड़ित लड़की का ही रोल प्ले किया था। यही कारण है कि यह फिल्म अनीत पड्डा के दिल के बहुत करीब रही।

मुनमुन दत्ता ने बताया समर मॉर्निंग रूटीन का राज

मुंबई/एजेन्सी

गर्मियों का मौसम आते ही लोग अपनी सेहत को लेकर ज्यादा सतर्क हो जाते हैं। खासतौर पर इस मौसम में पाचन संबंधी परेशानियां ज्यादा होती हैं, इसलिए खानपान पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। ऐसे में कई सेलेब्रिटीज भी अपने हेल्दी रूटीन को फैंस के साथ साझा करते रहते हैं। इसी कड़ी में टीवी की जानी-मानी अभिनेत्री मुनमुन दत्ता ने अपने समर मॉर्निंग रूटीन की एक झलक सोशल मीडिया पर शेयर की, जो अब खूब चर्चा में है। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बना चुकीं मुनमुन दत्ता ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए बताया कि वह सुबह की शुरुआत किस तरह से करती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी एक वीडियो और कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें उनके हेल्दी नाश्ते की झलक देखने को मिल रही है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''मैंने सुबह के लिए एक ऐसी ड्रिंक तैयार की है, जो पेट की सेहत के लिए बेहद फायदेमंद है और शरीर को अंदर से मजबूत बनाती है।''वीडियो में देखा जा सकता है कि मुनमुन छाछ से कुछ बना रही हैं, जिसे वह पेट की सेहत के लिए बेहतरीन ड्रिंक बता रही हैं। इसे बनाते समय उन्होंने उसमें बारीक कटा हुआ प्याज और हरा धनिया समेत कई चीजों को मिलाया।इसके अलावा, मुनमुन ने एक तस्वीर के जरिए एक और खास ड्रिंक के बारे में जानकारी दी, जिसे रागी अंबली कहा जाता है। उन्होंने कैप्शन में बताया, ''यह देसी पेय पाचन को बेहतर बनाता है। साथ ही यह गर्मियों में शरीर को ठंडक पहुंचाने का भी काम करता है। यह शरीर को हल्का महसूस कराता है।'' मुनमुन दत्ता अपने फिटनेस के लिए जानी जाती हैं। वह अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर व्यायाम और योग से जुड़े वीडियो और तस्वीरें साझा करती रहती हैं।

तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की प्रशांत नील निर्देशित फिल्म अगले साल जून में रिलीज होगी

हैदराबाद/भाषा

तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर की प्रशांत नील निर्देशित आगामी फिल्म अगले साल 11 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की पहली झलक 20 मई को जूनियर एनटीआर के 43वें जन्मदिन पर जारी की जाएगी। निर्माता मैत्री मूवी मेकर्स ने 'एक्स' पर यह घोषणा की। जूनियर एनटीआर के किरदार का एक पोस्टर भी जारी किया गया है। इस फिल्म का निर्माण अप्रैल 2025 में शुरू हुआ और बीच में कई बार इसे स्थगित किया गया। पहले इसे जून 2026 में रिलीज़ करने की योजना थी। नील द्वारा निर्देशित और पटकथा लिखित इस फिल्म का नाम संभवत: ड्रैगन है। इसका निर्माण मैत्री मूवी मेकर्स, एनटीआर आर्ट्स और टी-सीरीज़ ने संयुक्त रूप से किया है। नील ब्लॉकबस्टर फिल्म 'केजीएफ' और 'सलार पार्ट 1: सीजफायर' का निर्देशन कर चुके हैं। जूनियर एनटीआर की आखिरी फिल्म कोराटाला शिवा निर्देशित 'देवरा: पार्ट 1' थी जो सितंबर 2024 में रिलीज हुई थी। फिल्म में जाह्नवी कपूर और सैफ अली खान ने भी अहम भूमिका अदा की थी।

वामिका गब्बी के ‘बेतुके’ जोक्स ने खिलाड़ी कुमार को किया परेशान

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अक्षय कुमार इंडस्ट्री में अपने प्रैंक्स को लेकर काफी मशहूर हैं। उनके प्रैंक और मजाकिया लहजे को लेकर प्रशंसकों के बीच चर्चा रहती है। अक्सर इंडस्ट्री के सेलेब्स भी उनके इस लहजे से परेशान रहते हैं, लेकिन इस बार अक्षय किसी से परेशान होते नजर आ रहे हैं। दरअसल, अभिनेत्री वामिका गब्बी ने अपने बेतुके जोक्स से अक्षय को परेशान कर दिया है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अभिनेत्री अक्षय से कुछ पंजाबी जोक्स पूछ रही हैं, और अभिनेता का रिएक्शन देखने लायक है। पहले जोक में वामिका कहती हैं, सर, अगर किसी की मौसी दूर रहती है तो उसे इंग्लिश में क्या कहेंगे? इसका जवाब खुद अभिनेत्री देते हुए कहती हैं, फार्मेसी।इसके बाद वामिका ने दूसरा सवाल पूछते हुए कहा, दो लोग बैडमिंटन खेल रहे थे, पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। क्यों? जब अक्षय जवाब नहीं दे पाए तो वामिका ने बताया, क्योंकि वे रैकेट का इस्तेमाल कर रहे थे। फिर वामिका ने तीसरा जोक मारा ऐसी जगह का नाम बताओ जहां गाना गाने की इजाजत नहीं है? उन्होंने जवाब दिया, नागालैंड।ये सुनकर अक्षय कुमार हंसते हुए बोले, बस करो यार।वामिका ने इस क्लिप को इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, प्रेमिका के पीजे पर हंसी हुई फरार, अक्षय सर बोले, 'बस करो यार।' भूत बंगला अब सिनेमाघरों में है। अपने टिकट अभी बुक करें।ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया जा रहा है। यूजर्स वामिका के जोक्स और अक्षय के रिएक्शन पर खूब हंस रहे हैं। फिल्म 'भूत बंगला' एक हॉरर-कॉमेडी है, जिसमें अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल के अलावा, राजपाल यादव और मिथिला पालकर भी अहम रोल में नजर आ रहे हैं। हॉरर- कॉमेडी फिल्म को अक्षय कुमार, शोभा कपूर और एकता आर कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म प्रियदर्शन की दूसरी हिंदी हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने 'भूलभुलैया' बनाई थी। यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिल रही है।

आयुष्मान खुराना की पहली फिल्म विक्की डोनर में मिला था राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

मुंबई/एजन्सी

निर्देशक शूजित सरकार ने सिनेमा में कई यादगार फिल्में दी हैं और ज्यादातर वे अपनी एक्सपेरिमेंटल फिल्मों को लेकर दर्शकों के बीच खास पहचान रखते हैं। इन्हीं में से एक 2012 में रिलीज फिल्म विक्की डोनर है, जिसने हास्य और मनोरंजन के साथ दर्शकों को एक गहरा सामाजिक संदेश भी दिया था। सोमवार को फिल्म ने रिलीज के 14 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर अभिनेता आयुष्मान खुराना ने इंस्टाग्राम के जरिए यादें ताजा कीं। उन्होंने स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की एक क्लिप शेयर की। इसके साथ उन्होंने लिखा, फिल्म विक्की डोनर के रिलीज के 14 साल पूरे। यह फिल्म आयुष्मान और यामी गौतम के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि यह फिल्म दोनों की डेब्यू फिल्म थी। दोनों ने विक्की डोनर के जरिए हिंदी सिनेमा में कदम रखा था। दिल्ली की पृष्ठभूमि पर आधारित मनोरंजक और हल्की-फुल्की कॉमेडी-ड्रामा

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस में अच्छी कमाई की थी। इस फिल्म ने 'सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म' के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था।

फिल्म को इतना पसंद किया गया था कि इसे साल 18 अप्रैल 2025 में फिर से सिनेमाघरों में री-रिलीज किया गया था। हिंदी रोमांटिक कॉमेडी फिल्म स्पर्म डोनेशन जैसे सामाजिक टैबू विषयों पर आधारित थी। शूजित सरकार द्वारा निर्देशित इस फिल्म में अन्नू कपूर ने अहम भूमिका निभाई थी। इस फिल्म ने भारत में स्पर्म डोनेशन के बारे में एक खुली चर्चा शुरू की और इसे एक मुख्यधारा के विषय के रूप में स्थापित करने में मदद की। यह फिल्म दिल्ली के एक पंजाबी लड़के विक्की अरोड़ा (आयुष्मान खुराना) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक डॉक्टर (अन्नू कपूर) के कहने पर स्पर्म डोनर बन जाता है। कहानी तब मोड़ लेती है जब उसे एक बंगाली लड़की (यामी गौतम) से प्यार हो जाता है और उसके अतीत का खुलासा होता है।

मन में ख़ुशी हो तो कार्य का परिणाम अच्छा आता है : डॉ. समकितमुनि

आज कम्मनहल्ली जैन स्थानक के लिए करेंगे विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कॉक्स टाउन स्थित एक श्रद्धालु के निवास पर आयोजित सभा में गुरुदेव डॉ. समकितमुनिजी ने धर्म मार्ग पर प्रशस्त होने, व्यर्थ के पापों से बचने और हमेशा प्रसन्नचित्त रहकर कार्य करने की अत्यंत मार्मिक और व्यावहारिक प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार जितना हो सके, उतना सत्कार्य अवश्य करना चाहिए और धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। गुरुदेव ने कड़े शब्दों में आगाह करते हुए कहा कि हमें ऐसे पाप कार्यों का तुरंत त्याग कर देना चाहिए, जिनके बिना भी हमारा गुजारा हो सकता है। यदि हम अपना अमूल्य समय पाप कार्यों में लगाएंगे, तो धर्म-ध्यान के लिए हमारे पास समय ही नहीं बचेगा। मानव की वर्तमान मानसिकता पर प्रहार करते हुए गुरुदेव ने कहा कि आज व्यक्ति की सोच ऐसी हो गई है कि वह अधर्म तो अपने सामर्थ्य से अधिक करता है, लेकिन धर्म के कार्यों में अपनी शक्ति से भी कम योगदान देता है। दुनिया में पाप का आकर्षण इतना अधिक है कि व्यक्ति पाप करने में आनंद मनाता है और उसकी पूर्व योजना करता है, जबकि धर्म के क्षेत्र में वह पूर्व निर्धारण नहीं करता। मोह-माया के प्रति आसक्ति को दूर करने का संदेश देते हुए गुरुदेव ने कहा कि जिन सांसारिक रिश्ते-नातों के लिए हम पाप का सेवन करते हैं, उनके विषय में यह शाश्वत सत्य ध्यान रखना चाहिए कि 'मैं सर्वथा भिन्न हूँ और सामने वाला भिन्न है'। हम सबका अस्तित्व अलग-अलग है। हमारा वास्तविक अस्तित्व कषाय, कर्म और इन सांसारिक संबंधों से परे है। हमारी ऊर्जा कहीं न कहीं अवश्य खर्च होगी, यह निर्णय हमारा है कि हम उसे अच्छे कार्यों में लगाते हैं या बुरे में। यदि हम दान, शील, तप और सद्भाव के प्रति अपना पुरुषार्थ नहीं जगाएंगे, तो हमारा मन स्वतः ही बुराई की ओर दौड़ेगा। कार्य की गुणवत्ता और सफलता का अमूल्य सूत्र देते हुए संतश्री ने कहा कि यदि किसी भी कार्य की क्वालिटी को बढ़िया बनाना है, तो उसे हमेशा प्रसन्न भाव और प्रसन्न मुद्रा में करना चाहिए। रोते हुए मन से किया गया कोई भी कार्य कभी सफल नहीं होता। दुखी मन से कार्य करना यानी 'आर्तध्यान' करना है और शास्त्रों में आर्तध्यान को पाप माना गया है। मुस्कुराते मन से किया गया सुकार्य ही मनुष्य को पूर्ण सिद्धि तक ले जाता है। गुरुदेव ने एक बहुत ही सुंदर और आधुनिक उदाहरण देते हुए समझाया, जिस तरह चेहरे पर ख़ुशी होने से फोटो अच्छा आता है, ठीक उसी प्रकार यदि मन में ख़ुशी हो, तो कार्य का रिजल्ट (परिणाम) भी हमेशा अच्छा ही आएगा। इस मौके पर कम्मनहल्ली संघ के सदस्यों ने उपस्थित होकर गुरुदेव से क्षेत्र में पधारने का निवेदन किया।

कबड्डी मैच में 'शर्त' वाले बयान को लेकर परमेश्वर ने कहा : क्या अब मैं मजाक भी नहीं कर सकता

बेंगलूरु। एक कबड्डी मैच के दौरान उपायुक्त के साथ 500 रुपये की शर्त हारने संबंधी बयान पर अदालत द्वारा प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश के बाद कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने बुधवार को कहा, 'ऐसा लगता है कि मैं अब मजाक भी नहीं कर सकता''। मंत्री ने कहा कि मैच के दौरान उनका बयान सामान्य बातचीत के तौर पर दिया गया था और इसका उद्देश्य सट्टेबाजी को बढ़ावा देना नहीं था।

परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने कबड्डी मैच के दौरान यह बात हल्के-फुल्के अंदाज में कही थी। गांवों में हम कभी-कभी इस तरह से अनौपचारिक बातें कर देते हैं। कानून की नजर में यह गलत हो सकता है, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि मैंने यह किस संदर्भ में कहा था। उन्होंने कहा, अगर मैंने लोगों से मैच पर सट्टा लगाने के लिए कहा होता या उसे बढ़ावा दिया होता, तो वह निश्चित रूप से गलत होता। मंत्री ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा, यह कहना पूरी तरह गलत है कि मैं, एक जिम्मेदार पद पर रहते हुए, अवैध गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा हूं। यह सब इस पर निर्भर करता है कि आप इसे किस नजरिये से देखते हैं। परमेश्वर ने कहा कि शर्त का मामला मैच समाप्त होने के साथ ही खत्म हो गया था, लेकिन एक व्यक्ति द्वारा अदालत में शिकायत दायर करने के बाद इसे फिर से उठाया गया। ऐसा लगता है कि मैं अब मजाक भी नहीं कर सकता, लेकिन मैं कानून का सम्मान करता हूं। जब मैं कानून-व्यवस्था से जुड़ा दायित्व निभा रहा हूं, तो मुझे कानून का पालन करना होगा। अब मैंने इस मामले को कानून के हवाले कर दिया है। संवाददाताओं द्वारा यह पूछे जाने पर कि उन्होंने अदालत को संदर्भ क्यों नहीं समझाया, परमेश्वर ने कहा कि उन्हें कोई नोटिस नहीं मिला। उन्होंने कहा, अगर मुझे नोटिस मिला होता, तो मैं अदालत को समझाता कि इस मामले को गंभीरता से न लिया जाए।

विप्र फाउंडेशन के एक खास उद्देश्य की दिशा में पहल

दो विप्र उपजातीय परिवारों का परस्पर विवाह संबंध के लिए जोन-18 ने किया अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। ब्राह्मण समाज के वैश्विक स्तर के संगठन विप्र फाउंडेशन का एक अहम उद्देश्य इस भव्य संगठन के विप्र समाज की विविध उपजातियों के बीच रोटी-बेटी का संबंध प्रगाढ़ बने, परिवारों में परस्पर वैवाहिक रिश्ते स्थापित हों और इस माध्यम से विप्र एकता अधिक प्रभावशाली बने। समय समय पर इस दिशा में प्रयास भी किया जाता है जिसका असर होता दिखाई दे रहा है। विप्र फाउंडेशन के शीर्ष नेतृत्व की इस मामले में स्पष्ट सोच है और यह संगठन इस प्रकार के प्रयासों का हिमायती है। विप्र समाज में धीरे-धीरे इस विषय में जागरूकता बढ़ रही है और नई पीढ़ी भी स्वयं इसमें रुचि दिखा रही है।

विप्र फाउंडेशन जोन-18 के मार्गदर्शक तुलसीराम उपाध्याय का स्वागत।

मंगलवार को विप्र फाउंडेशन के जोन-18 (कर्नाटक) की ओर से ऐसे दो परिवारों का, उन्हें शाल ओढ़ाकर एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।बेंगलूरु में संपन्न शादी समारोह में चाईंबासा से आए वर रोहन के माता-पिता अशोक-किरण जोशी एवं बेंगलूरु निवासी वधू प्राची के माता-पिता मुकेश-हंसा शर्मा का शाल ओढ़ाकर, अभिनंदन पत्र भेंट कर विप्र फाउंडेशन के बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय एवं महासचिव हेमंत परवाल ने सम्मान किया।

इस अवसर पर फाउंडेशन के क्षेत्रीय अध्यक्ष (दक्षिण) श्रीकांत पाराशर ने दोनों परिवारों को बधाई देते हुए उनकी पहल की सराहना की और कहा कि इससे समाज की अन्य उपजातियों में भी ऐसे परस्पर वैवाहिक रिश्ते स्थापित करने में तेज़ी आएगी। उन्होंने दोनों परिवारों से कहा, सामाजिक, राजनीतिक, शैक्षणिक, आर्थिक, सांस्कृतिक क्षेत्रों में विप्र फाउंडेशन अपनी नई सोच और समय के अनुसार अपनी पुरानी समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को संजोने का काम करता है और नए विजन के साथ युवाओं को आगे बढ़ने को भी प्रेरित करता है। विप्र फाउंडेशन हमेशा अपनी उपजातियों के बीच वैवाहिक संबंधों को बढ़ावा देने का भी पक्षधर रहा है। आप दोनों परिवारों ने विप्र फाउंडेशन के इस उद्देश्य में जो सहयोग एवं समर्थन दिया है, उसके लिए हम आपका आभार व्यक्त करते हुए अभिनंदन करते हैं।

इस अवसर पर श्रीकांत पाराशर के साथ, जोन-18 के पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक तुलसीराम उपाध्याय, महेंद्र उपाध्याय(गोमती), बेंगलूरु चैप्टर के अध्यक्ष महेंद्र उपाध्याय, महासचिव हेमंत परवाल, प्रदीप रूंथला, जीतेंद्र उपाध्याय, कमल पाराशर, देवेन-मयंक आचार्य, राघव जोशी आदि उपस्थित थे। इस मौके पर तुलसीराम उपाध्याय को भी पुष्प गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। विप्र फाउंडेशन जोन 18 को हमेशा उनका समर्थन व मार्गदर्शन मिलता रहा है तथा इन दोनों परिवारों को परस्पर जोड़ने में भी उनकी अहम भूमिका रही है।

मानव सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में अलसूर महिला मंडल ने बुधवार को भीषण गर्मी में आम नागरिकों को राहत पहुंचाने की भावना से शीतल पेय सेवा आयोजित कर गुड़ पानी एवं छाछ का वितरण किया। महावीर जयंती, अक्षय तृतीया, उपाध्याय केवलमुनिजी एवं आचार्य जयमलजी की पुण्य स्मृति दिवस के संदर्भ में महावीर भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में श्रावक संघ, महिला मंडल, जैन युवक संघ और नवकार बहु मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने सेवा प्रदान की। धनपत राज बोहरा ने मंगल पाठ प्रदान किया।

एसआईटी जांच जारी, हादसे की वजह का जल्द पता लगाया जाएगा

तिरुवनंतपुरम/दक्षिण भारत। केरल राज्य पुलिस प्रमुख रावड़ा ए. चंद्रशेखर ने बुधवार को कहा कि त्रिशूर जिले के मुंडाथिकोड स्थित एक पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट के सही कारण का पता लगाने के लिए व्यापक जांच जारी है। इस हादसे में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि जांच के लिए त्रिशूर नगर पुलिस आयुक्त के नेतृत्व में एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। साथ ही, आसपास के जिलों से अतिरिक्त फॉरेंसिक दलों को भी जांच में सहायता के लिए तैनात किया गया है। चंद्रशेखर ने यहां मीडिया से कहा, ''कल पूरा ध्यान बचाव कार्यों पर था। अब हादसे के सही कारण का पता लगाने के लिए व्यापक जांच की जा रही है। आज शाम तक हम यह जान सकेंगे कि विस्फोट किस वजह से हुआ।'' उन्होंने कहा कि यह कहना अभी जल्दबाजी होगी कि घटना के पीछे कोई साजिश थी या नहीं, लेकिन फॉरेंसिक साक्ष्यों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयानों सहित सभी पहलुओं की जांच की जाएगी।

डीजीपी ने बताया कि हादसे के समय घटनास्थल पर करीब 32 लोगों की मौजूदगी की पुष्टि हुई है, हालांकि वहां इससे अधिक लोगों के होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने यह भी कहा कि घटना के तुरंत बाद त्रिशूर नगर पुलिस आयुक्त और पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) मौके पर पहुंच गए थे और उन्होंने बचाव अभियान का नेतृत्व किया। यह अभियान पुलिस, अग्निशमन बल और स्थानीय लोगों ने संयुक्त रूप से चलाया। डीजीपी के आज विस्फोट स्थल का दौरा करने की संभावना है। केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) के अनुसार, मंगलवार रात तक विस्फोट में कम से कम 13 लोगों की मौत की आशंका थी, जबकि हादसे के समय कई शेड में लगभग 40 लोगों के मौजूद होने की संभावना जताई गई थी।

बेंगलूरु की जेलों में आतंकी साजिश रचने के मामले में एनआईए अदालत ने सात लोगों को सजा सुनाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने 2023 में बेंगलूरु की एक जेल में आतंकी साजिश रचे जाने के मामले में मुख्य साजिशकर्ता एवं लश्कर-ए-तैयबा सदस्य टी. नसीर सहित सात लोगों को सात साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। एक आधिकारिक बयान में बुधवार को यह जानकारी दी गई। अदालत ने नसीर के साथ ही आरोपी सैयद सुहैल खान, मोहम्मद उमर, जाहिद तबरेज, सैयद मुदस्सिर पाशा, मोहम्मद फैसल रब्बानी और सलमान खान को दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई है तथा उन पर 48,000 रुपये का जुर्माना लगाया है।

इससे पहले, आरोपियों ने बेंगलूरु के परप्पन्ना अग्रहारा केंद्रीय कारागार के अंदर नसीर द्वारा रची गई लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़ी आतंकी साजिश से संबंधित मामले में एनआईए द्वारा दायर आरोपों को स्वीकार कर लिया था। एनआईए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि इस साजिश के तहत भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के मकसद से उन युवाओं की पहचान की गई जो जेल में बंद थे। साजिश के तहत उन्हें भर्ती किया जाना, प्रशिक्षण देना, धर्मांतरण करना और कट्टरपंथी बनाना शामिल था।

बेंगलूरु केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) द्वारा जुलाई 2023 में आदतन अपराधियों से हथियार, गोला-बारूद और डिजिटल उपकरण जब्त किए जाने के बाद यह मामला दर्ज किया गया था। जांच एजेंसी ने कहा कि अपराधियों ने प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा आतंकी संगठन के हिंसक भारत विरोधी एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए बेंगलूरु शहर में आतंकी हमले करने की साजिश रची थी।

इस मामले की जांच एनआईए ने अपने हाथ में ली, जिसने एक बड़ी साजिश का खुलासा किया। इस साजिश के तहत कई आतंकी मामलों में आजीवन कारावास की सजा काट रहे नसीर को जेल से अदालत जाते समय भागने में मदद की गई थी। नसीर उस समय 2008 के बेंगलूरु सिलसिलेवार बम धमाकों के मामले में विचाराधीन कैदी था। एनआईए ने इस मामले में गिरफ्तार किए गए 11 आरोपियों और जुनैद अहमद नामक एक फरार आरोपी के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था। बयान में कहा गया है कि इनमें से आरोपी सलमान खान को एनआईए और रवांडा की संबंधित एजेंसियों के समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप रवांडा गणराज्य से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित किए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। इसमें कहा गया कि जुनैद अहमद का पता लगाने और गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

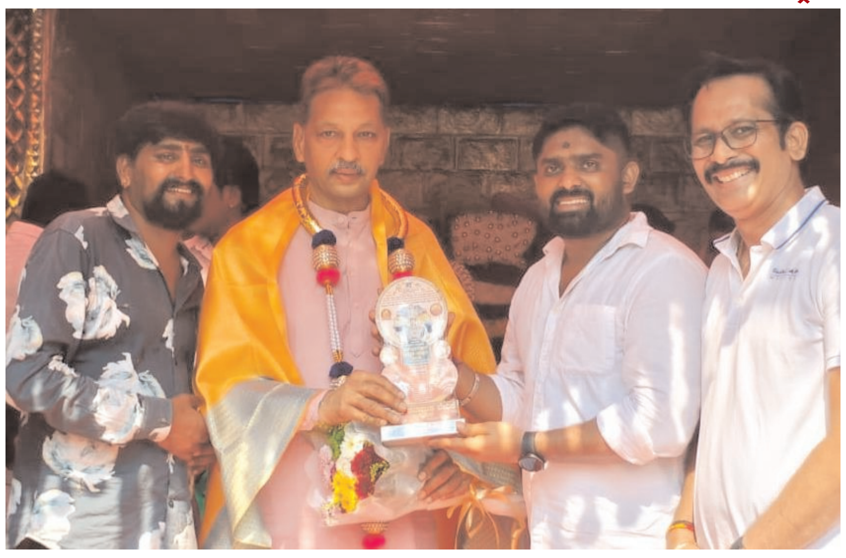

'कन्नड़ एवं अणम्मादेवी उत्सव'

बेंगलूरु के युवा कर्नाटक वेदिके एचएसआर लेआउट द्वारा एचएसआर लेआउट क्षेत्र में 'कन्नड़ उत्सव एवं अणम्मादेवी उत्सव' हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं जरूरतमंद बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। वेदिके के अध्यक्ष नवीन नरसिम्हा ने मुणोत का सम्मान किया।

मुमुक्षु संजय पुंगलिया के दीक्षा महोत्सव की तैयारियां जोरों पर

आचार्य पार्श्वचंद्र के सान्निध्य में 29 अप्रैल को होगी दीक्षा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आचार्यश्री पार्श्वचंद्रजी के सान्निध्य में मुमुक्षु संजय पुंगलिया की 29 जनवरी को होने वाली जैन भागवती दीक्षा महोत्सव की व्यवस्थाओं के लिए अखिल भारतीय श्वेतांबर स्थानकवासी जयमल जैन श्रावक संघ बेंगलूरु शाखा की एक बैठक टस्कर टाऊन स्थित सभागार में आयोजित हुई। पंच परमेष्ठी वंदना एवं जय जाप के पश्चात संघ के अध्यक्ष मीठालाल लोढ़ा ने सभी का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुणकुमार गोटावत ने इस समारोह को बेंगलूरु महानगर में अनुकरणीय एवं अविस्मरणीय बनाने हेतु कार्य करने के लिए सभी का उत्साहवर्धन किया। संघ के मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल ने पूरे कार्यक्रम की विस्तृत रुपरेखा प्रस्तुत की। दीक्षा पंडाल समिति के प्रमुख सुनील गादिया ने दीक्षा दिवस समारोह की संपूर्ण नक्शे व खाका के साथ सुचारू व्यवस्था बताई। भोजन समिति के प्रमुख माणकचन्द बोहरा ने भोजन व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। आवास निवास समिति के प्रमुख गौतमचंद गोटावत, स्वागत समिति के रेवंतमल नाहर, बंदोली समिति के प्रमुख महेंद्रकुमार मेहता, पाट केसर वृहद थाल समिति के प्रमुख राजेन्द्रकुमार नाहर, वैयावच्च समिति के प्रमुख अजितराज बाघमार ने अपनी अपनी समिति के कार्यों के विषय में बताया। प्रचार प्रसार समिति प्रमुख जेके महावीरचंद चोरड़िया ने बताया कि इस अवसर पर मुमुक्षु संजय पुंगलिया की जैन भागवती दीक्षा महोत्सव की आमंत्रण पत्रिका का भी विमोचन किया गया। सभा में उपस्थित महेन्द्रकुमार चोरड़िया, गौतमचंद मकाणा, विमल जांगड़ा, आनंद सेठिया, प्रकाशचंद बाफना, सुरेन्द्र बोहरा, रुपेश कोठारी, अनिल बोहरा, चेतन कोठारी, अक्षय श्रीश्रीमाल, संजय कोठारी ने भी विचार व्यक्त किए।

तुमकुरु में नशीली दवाओं की अवैध बिक्री के आरोप में छह गिरफ्तार

तुमकुरु। तुमकुरु जिले में छह लोगों को कथित तौर पर नशीली दवाएं रखने और मजदूरों तथा महाविद्यालय के छात्रों को अवैध रूप से ये दवाएं बेचने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों की पहचान बेंगलूरु के बन्नेरघट्टा निवासी 35 वर्षीय नसीर बाशा, 32 वर्षीय नावीद, 32 वर्षीय उमर बाशा तथा तुमकुरु के मरालूरु टीले के निवासी 30 वर्षीय शबाज मोहम्मद, 32 वर्षीय मोहम्मद घौस और 28 वर्षीय मोहम्मद इकबाल के रूप में की गई है। पुलिस के अनुसार, टेपेन्टाडोल सहित सभी दवाएं जब्त कर ली गई हैं।

तुमकुरु पुलिस अधीक्षक आशोक के. वी. के मुताबिक, तिलक पार्क पुलिस थाने के एक दल ने विशिष्ट सूचना के आधार पर छापेमारी कर गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया जिसमें कथित सरगना नसीर भी शामिल है। उन्होंने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान लगभग 100 गोलियां जब्त की गईं। उनके अनुसार, आरोपी बेंगलूरु से दवाएं लाकर स्थानीय स्तर पर बेच रहे थे।

के. वी. के मुताबिक, इन गोलियों को पीसकर पाउडर बनाया जाता था, जिसके बाद मादक प्रभाव पैदा करने के लिए पानी में मिलाकर इंजेक्शन के जरिये नसों में डाला जाता था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आपूर्ति श्रृंखला का पता लगाने और दवाओं के स्रोत की पहचान के लिए आगे की जांच जारी है। उन्होंने कहा, अवैध वितरण में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**